Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 237 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 25 जून 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मानसून से पहले दिल्ली सरकार ने चलाया सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तरफ से मंगलवार को आगामी मानसून के मद्देनजर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का बड़ा अभियान चलाया गया. इसके तहत पीडब्ल्यूडी की ओर से 3400 गड्ढों को भरने का काम किया जा रहा है. ऐसे में जब इसे लेकर पड़ताल की गई, तो लक्ष्मी नगर के विकास मार्ग पर गड्ढा भरने का काम होता हुआ मिला. वहीं, शाहदरा, चितरंजन पार्क, साउथ दिल्ली, महरौली, नई दिल्ली, बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली सहित अन्य जगहों पर सड़कों के गड्ढे भरने का काम सुबह से ही जारी है.

इस दौरान विकास मार्ग पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पर काफी समय से गड्ढे थे, लेकिन इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा था. लेकिन, अब इन गड्ढों को भर दिया गया है. यह अच्छा कदम है. इससे यहां जलभराव नहीं होगा और लोगों को आने-जाने में परेशान नहीं होगी. उधर विकास मार्ग पर स्थित मंदिर के पुजारी ने बताया कि यहां काफी समय से मंदिर के सामने गड्ढा था, जिससे श्रद्धालुओं को आने जाने में दिक्कत होती थी, लेकिन अब लोगों को आने-जाने में सहूलियत होगी. इससे पहले दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि लोक निर्माण विभाग मानसून से पहले 1,400 किलोमीटर से अधिक सड़कों पर एक दिन के भीतर 3,400 गड्ढों को भरकर सुरक्षित और सुगम बनाएगा.

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का आदेश, दुष्कर्म पीड़िता का बच्चा सरकार की जिम्मेदारी

जबलपुर। दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था 30 सप्ताह से अधिक होने के बाद भी पैरेंट्स बेटी का गर्भपात करवाना चाहते हैं. इस मामले को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया है. हाई कोर्ट ने गर्भपात के संबंध में अशिक्षित माता-पिता तथा पीड़िता की फिर से काउंसलिंग करने के आदेश जारी किए हैं. हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा ने अपने आदेश में कहा है महिला न्यायिक अधिकारी डॉक्टरों की टीम और सीडब्ल्यूसी के एक सदस्य के साथ माता-पिता को समझाएं. मामले के अनुसार दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात की अनुमति के लिए माता-पिता के सहमति पत्र के साथ छिंदवाड़ा जिला न्यायालय के न्यायाधीश ने हाई कोर्ट को पत्र भेजा था. पत्र की सुनवाई याचिका के रूप में करते हुए हाई कोर्ट ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देश जारी किये थे. हाई कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया था गर्भावस्था 30 सप्ताह की है.

उत्तरप्रदेश के वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मध्य क्षेत्रीय परिषद बना सार्थक मंच: मुख्यमंत्री साय

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक बढ़त, बस्तर में विकास का नया युग

रायपुर (समय दर्शन)। उत्तरप्रदेश के वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह परिषद केन्द्र और राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय का सशक्त मंच बन चुकी है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मध्य क्षेत्रीय परिषद ने ठोस योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य की अर्थव्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, सांस्कृतिक पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास में परिषद की भूमिका निर्णायक रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल समस्या पर बोलते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। बसवराजू और सुधाकर जैसे शीर्ष नक्सली नेताओं के न्यूट्रलाइज होने को उन्होंने नक्सलवाद की रीढ़ टूटने जैसा करार दिया। उन्होंने बताया कि बस्तर के विकास के लिए बोधघाट-महानदी इंद्रावती लिंक जैसी कई हजार करोड़ की परियोजनाओं पर भी हम काम कर रहे हैं। रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना को मिली मंजूरी भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकास और सुशासन की दिशा में ठोस कार्य

मुख्यमंत्री ने परिषद को अवगत कराया कि पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर तेजी से अमल हुआ है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 28 नई बैंक शाखाएं, डॉयल-112 सेवा का विस्तार, 82 हजार से अधिक बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालना जैसी उपलब्धियाँ राज्य के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों ने स्थानीय खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच दिया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 87.2 प्रतिशत नागरिकों को कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, और 1075 में से 1033 शासकीय अस्पताल इससे जोड़े जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद राज्य को अब तक 5.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 3.5 लाख करोड़ पावर सेक्टर से हैं। छत्तीसगढ़ देश में विद्युत उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और 2030 तक प्रथम स्थान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 23 घंटे 27 मिनट और शहरी क्षेत्रों में 23 घंटे 51 मिनट की औसत विद्युत आपूर्ति राज्य के ऊर्जा प्रबंधन की दक्षता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 6 लाख घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डेढ़ लाख से अधिक सोलर कृषि पंप किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

संसद एवं राज्य विधान मंडलों की प्राक्कलन समिति के 75 वर्ष पूर्ण, मुंबई में सम्मेलन संपन्न

छत्तीसगढ़ विधान सभा की प्राक्कलन समिति के सभापति अजय चंद्राकर एवं विधायक हुए सम्मिलित

रायपुर (समय दर्शन)। संसद एवं राज्य विधान मंडलों की प्राक्कलन समिति के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोक सभा /राज्य सभा एवं राज्य विधान मंडलों की प्राक्कलन समिति के सभापतियों का सम्मेलन मुंबई में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ लोक सभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिड़ला एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने किया इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ विधान सभा की प्राक्कलन समिति के सभापति अजय चंद्राकर एवं संदस्य राजेश मूणत, भोलाराम साहू, कुंवर सिंह निषाद एवं विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा भी सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधान सभा की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अजय चंद्रकार ने कहा- कि कोई भी संसद/ विधान मंडल अपना कार्य स्वयं पूर्ण नही कर सकते फ्लत: संसद/विधान मंडल अपना कार्य समितियों के माध्यम से करते हैं, भारत में समिति पद्धति का प्रारंभ सन् 1854 में हुआ है । हमारे देश में 1912 में सर्वप्रथम प्राक्कलन समिति का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा-कि प्राक्कलन समिति विभिन्न अनुभागों से प्राप्त प्रस्तावों की जॉच करते हुए उनके आवश्यक वित्तीय प्रावधानों की अनुशंसा करती है, समिति साथ ही यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी योजना पूर्वानुमान के बिना क्रियान्वित न हो, उन्होंने कहा-कि प्राक्कलन समिति वित्तीय अनिमितताओं की रोकथाम में एक प्रभावशाली भूमिका निभाती है ।

उन्होंने कहा-कि छत्तीसगढ़ विधान सभा के अस्तित्व में आने के बाद विधानसभा के कार्य संचालन संबंधी नियम 223 के तहत प्राक्कलन समिति के गठन, कृत्य एवं समिति द्वारा की गई सिफारिशों के संबंध में विस्तृत नियम बनाये गये । समिति द्वारा स्थल निरीक्षण एवं साक्ष्य के उपरांत समिति अपनी सिफारिशें तैयार कर प्रारूप प्रतिवेदन तैयार करती है । उन्होंने कहा-कि छत्तीसगढ़ विधान की प्राक्कलन समिति की अधिक से अधिक बैठकें कर लंबित कंडिकाओं की जांच करके प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जा रहे है।

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर अपराधियों पर तमिलनाडु की निवारक हिरासत को बताया उचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में साइबर अपराधियों के खिलाफ निवारक हिरासत कानून के तहत कार्रवाई करने के लिए तमिलनाडु सरकार की प्रशंसा की है. यह मामला सोमवार को जस्टिस संदीप मेहता और जॉयमाला बागची की पीठ के समक्ष आया. पीठ ने टिप्पणी की, यह एक अच्छा रुझान है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ निवारक हिरासत कानूनों का उपयोग किया जा रहा है.

पीठ ने कहा कि यह एक बहुत ही स्वागत योग्य दृष्टिकोण है. कहा, कि सामान्य आपराधिक कानून साइबर अपराधियों को रोकने में सफल नहीं हो रहे हैं. सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने पीठ के समक्ष तर्क दिया कि एक जवाबी हलफनामा दाखिल किया गया है. पीठ ने रजिस्ट्री को इसे रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई बुधवार के लिए निर्धारित की.

पीठ एक याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो एक हिरासत में लिए गए व्यक्ति के पिता हैं. हिरासत में लिया गया व्यक्ति एक साइबर अपराध गिरोह का सदस्य माना जाता है. याचिकाकर्ता ने हिरासत आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी. याचिकाकर्ता ने मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था.

उच्च न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था कि हिरासत आदेश ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(5) और निवारक हिरासत कानून के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया है.

याचिकाकर्ता के बेटे को तमिलनाडु साइबर पुलिस ने एक साइबर अपराध पीड़ित की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था. आरोप लगाया गया था कि पीड़ित से 84 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की गई थी. अपराध की राशि का एक हिस्सा उनके द्वारा बनाए गए एक कंपनी के चालू खाते में गया था. आरोप है कि आरोपी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर चार कंपनियां बनाई थीं और ठगी की गई राशि को हड़पने के लिए कई बैंक खाते खोले थे.

जिला कलेक्टर द्वारा अगस्त, 2024 में याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ निवारक निरोध आदेश जारी किया गया था और सलाहकार बोर्ड ने 25 सितंबर, 2024 को निरोध की पुष्टि की थी.

हैदराबाद में ड्रग्स तस्करी के इंटरनेशनल रैकेट का भंडाफोड़, नाइजीरियाई समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद और गोवा में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इसके तार विदेशों से जुड़े हैं. जांच एजेंसी ने रविवार को एक नाइजीरियाई नागरिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने पकड़े गए आरोपियों के पास से 30 लाख रुपये की कीमत की 107 ग्राम कोकीन और छह मोबाइल फोन जब्त किए. राजेंद्रनगर के डीसीपी चिंतामनेनी श्रीनिवास ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी.

पुलिस के अनुसार नाइजीरियाई नागरिक मैक्स उर्फ प्रिंसवेल उर्फ गेब्रियल इस सिंडिकेट के पीछे का मास्टरमाइंड है. वह विदेशों से भारत में ड्रग्स लाने और उन्हें आजीविका के अवसरों की तलाश में देश में आने वाले नाइजीरियाई और अफ्रीकियों को सौंपने के लिए जाना जाता है. 2022 में मैक्स ने एक अन्य नाइजीरियाई, चुकुमेका विजडम ओनेका उर्फ मेजर कार्टेल (22) को छात्र वीजा पर भारत भेजा. ओनेका ने गोवा में ड्रग्स ऑपरेशन का आधार बनाया.

अगले साल विक्टर एक और नाइजीरियाई हैदराबाद में मादक पदार्थों की बढ़ती मांग के बारे में जानने के बाद भारत आया. उसे साइबराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसके पास से 303 ग्राम कोकीन जब्त की गई. उसके बाद उसका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया.

ऐतिहासिक संवाद की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बोले

22 मिनट में दुश्मन ढेर, मेड इन इंडिया हथियारों की ताकत साबित हुई: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया के सामने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अब कठोर और निर्णायक नीति अपना चुका है. उन्होंने यह बात श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच कही. प्रधानमंत्री ने कहा, हमने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत के निर्दोष नागरिकों का खून बहाने वाले आतंकवादियों के लिए अब कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है. आज का भारत वही करता है जो राष्ट्रहित में उचित और संभव हो. प्रधानमंत्री ने बताया कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेड इन इंडिया हथियारों का उपयोग करते हुए केवल 22 मिनट में दुश्मनों को घुटनों पर ला दिया. यह जवाबी कार्रवाई पाहलगाम में आतंकियों द्वारा आम नागरिकों की हत्या के बाद की गई थी. मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि मेड इन इंडिया हथियार कितने प्रभावशाली

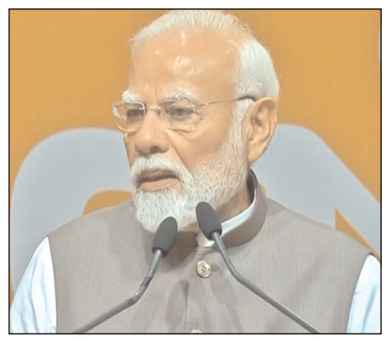

हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में ये हथियार पूरी दुनिया में प्रसिद्ध होंगे.

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब रक्षा जरूरतों के लिए विदेशी देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहता. देश ने बीते 11 वर्षों में सामाजिक, आर्थिक और सैन्य क्षमताओं को मजबूती देने की दिशा में तेजी से काम किया है. उन्होंने जोड़ा, हम 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. आज हमारा लक्ष्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि सुरक्षा में स्वदेशी समाधान भी है.

मोदी ने अपनी सरकार की जनकल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आवास, शुद्ध पेयजल, और स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाओं से गरीब और वंचित वर्गों को वास्तविक सशक्तिकरण मिला है. उन्होंने यह भी बताया कि बीते 11 वर्षों में सरकार ने सबसे अधिक आईआईटी, आईआईएम और एम्स स्थापित किए हैं, जिससे उच्च शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है.

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी सरकार श्री नारायण गुरु के उन विचारों पर चल रही है, जो एक भेदभाव रहित, समावेशी और सशक्त भारत की कल्पना करते थे, हमारा लक्ष्य वही भारत है जिसकी कल्पना श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी — एक ऐसा भारत जो सशक्त भी हो,

'आपातकाल के 50 साल'

'मेरे गांव से जेल गए थे 184 लोग, मरने तक नहीं भूलूंगा वो दृश्य'- शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं 11 साल का था। गुजरात में आपातकाल का असर कम था, क्योंकि वहां जनता सरकार बनी थी। लेकिन बाद में वह सरकार गिर गई। उन्होंने कहा, मैं एक छोटे से गांव से आता हूं। मेरे गांव से ही 184 लोग जेल गए थे। मैं उस दिन और उन दृश्यों को मरने तक नहीं भूलूंगा।

शाह ने कहा, केवल आजाद होने के विचार के लिए जेल जाना, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह सुबह भारत के लोगों के लिए कितनी निर्दयी रही होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, आपातकाल को एक वाक्य में परिभाषित करना मुश्किल है। मैंने इसका एक अर्थ निकाला है। एक

लोकतांत्रिक देश के बहुपक्षीय लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने की साजिश ही आपातकाल है।

'देश में कोई तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकता'

उन्होंने कहा, यह लड़ाई इसलिए जीत ली गई क्योंकि इस देश में कोई तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत लोकतंत्र की जननी है। उस समय आपातकाल को कोई पसंद नहीं करता था, सिवाय तानाशाहों और उस छोटे-से संकुचित समूह के जिन्हें फायदा हुआ था। उन्हें भ्रम था कि कोई उनकी चुनौती नहीं दे सकता, लेकिन आपातकाल के बाद जब पहले लोकसभा चुनाव हुए, तब पहली बार स्वतंत्रता के बाद गैर-कांग्रेस सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने।

'राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं सत्ता की सुरक्षा थी असली वजह'

शाह ने कहा, सुबह 8 बजे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऑल इंडिया रेडियो पर घोषणा की कि राष्ट्रपति ने आपातकाल लगा दिया है। क्या संसद की मंजूरी ली गई? क्या कैबिनेट की बैठक बुलाई गई? क्या विपक्ष को भरोसे में लिया गया? जो आज लोकतंत्र की बात करते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे उस पार्टी से जुड़े हैं जिसने लोकतंत्र को खत्म किया। जो वजह बताई गई वह राष्ट्रीय सुरक्षा थी, लेकिन असली वजह सत्ता की सुरक्षा थी। इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, लेकिन उनके पास संसद में वोट देने का अधिकार नहीं था। उनके पास प्रधानमंत्री के रूप में कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने नैतिकता का दायरा छोड़ दिया और प्रधानमंत्री बने रहने का फैसला किया।

'बाबू जगजीवन राम और स्वर्ण सिंह से नहीं की एजेंडा पर चर्चा'

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, कई घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को हिला दिया। कोई राष्ट्रीय खतरा नहीं था। हम अभी हाल ही में बांग्लादेश के साथ युद्ध जीत चुके थे। कोई आंतरिक या बाहरी खतरा नहीं था। इंदिरा गांधी को एकमात्र खतरा पद का था... लोग जाग गए थे और समझ गए थे कि वे जो वोट भावना के आधार पर देते हैं, उनका गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसे समझकर इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगा दिया। सुबह 4 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई गई। बाद में बाबू जगजीवन राम और स्वर्ण सिंह ने कहा कि उनसे एजेंडा पर चर्चा तक नहीं की गई, उन्हें केवल सूचित किया गया, गृह सचिव को बुलाया गया और आदेश पारित किए गए। उन्होंने कहा, मुझे याद है, हमारे गांव से हम लोग एक ट्रक में बैठकर एक अखबार की इमारत के सामने लोकसभा चुनाव के नतीजे देख रहे थे... जब हमें पता चला कि इंदिरा गांधी चुनाव हार गई हैं, यह रात के करीब 3 या 4 बजे की बात है, हमें यह भी पता चला कि संजय गांधी भी चुनाव हार गए हैं, तब हजारों लोगों के चेहरों पर जो खुशी थी, वह मैं कभी नहीं भूल सकता।

ऑपरेशन सिंदूर में रही अडाणी डिफेंस की भूमिका, ड्रोन-एंटी ड्रोन सिस्टम से सेना को मिली मदद

नईदिल्ली (एजेंसी)। अडाणी समूह के प्रमुख अरबपति गौतम अडाणी ने ऑपरेशन सिंदूर में समूह की भूमिका को लेकर जानकारी दी है। एक वीडियो में उन्होंने बताया कि कैसे अडाणी डिफेंस ने इस अभियान में सेना का साथ दिया। यह अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। अडाणी ने भारतीय सशस्त्र बलों के साहस की सराहना की और कहा कि डिफेंस टेक्नोलॉजी में देश की जरूरतों को पूरा करना उनका कर्तव्य है। अडाणी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में अडाणी डिफेंस के ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम अग्रिम मोर्चे पर तैनात किए गए थे। उन्होंने बताया कि हमारे ड्रोन निगरानी करने के साथ-साथ हमले की ताकत भी बने। एंटी-ड्रोन सिस्टम ने सेना और नागरिकों की रक्षा में अहम भूमिका निभाई। अडाणी ने कहा कि हम वहां काम करते हैं जहां भारत को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत होती है और हमारा मकसद सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि देश की सेवा करना है।

अडाणी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे वर्दीधारी जवान सिर्फ शोहरत या पदक के लिए नहीं, बल्कि कर्तव्य के लिए डटे रहे। उन्होंने कहा कि शांति कभी मुफ्त नहीं मिलती, उसे अर्जित करना पड़ता है। भारत को शांति बनाए रखने की कीमत अच्छी तरह पता है, लेकिन यदि कोई आंख दिखाए तो देश जवाब देना भी जानता है। उन्होंने कहा कि सपनों को साकार करने की आज़ादी उन्हीं के कंधों पर टिकी है जो इसकी रक्षा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुबह सुबह पाटन ब्लॉक के विभिन्न स्थानों पर राजस्व और पुलिस की टीम ने दी दबिश, अवैध कारोबारियों पर कसा शिकंजा

बलराम यादव

पाटन। मंगलवार को सुबह सुबह राजस्व और पुलिस विभाग ने मिलकर बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक अवैध रूप से मुरूम खनन, रेत का परिवहन करने वालो पर शिकंजा कसा है। यह कार्रवाई उतई, और जाम गांव आर थाना क्षेत्र में की गई है। मौके पर नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी राजस्व और पुलिस टीम के साथ थे। जानकारी के मुताबिक कलेक्टर दुर्ग और एस डी एम पाटन के निर्देश पर आज सुबह सुबह तहसील पाटन के ग्राम महकाखुर्द में राजस्व और पुलिस की टीम एक साथ पहुंची। यहां पर एक जेसीबी और दो हाइवा अवैध मुरूम उत्खनन करते हुए पकड़ा गया। सभी को जप्त कर थाना उतई के सुपुर्द में रखा गया है । इसी तरह से आज ही ग्राम पतोरा तहसील पाटन में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई से दो हाईवा ,बिना रॉयल्टी पेपर के अवैध रेत परिवहन किए पकड़े गए। जिसे जप्त कर थाना उतई के सुपुर्द में किया गया। इसके साथ ही थाना जाम गांव आर क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध रूप से परिवहन करते हुए तीन से अधिक ट्रेक्टर पर कार्रवाई की है। अचानक इस तरह राजस्व और पुलिस की टीम को कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है।

नशीली कफ सिरफ बेचने वाले को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने नशे के विरूद्ध जीरो टारलेस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्यवाही करने के निर्देश जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 23.06.2025 को थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि मानपुर निवासी मोहम्मद शाहिद रजा के द्वारा भट्ठापारा रोड़ में अवैध रूप से नशीली दवाईयों की बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां घेराबंदी कर मोहम्मद शाहिद रजा उर्फ शाहीन पिता मोहम्मद मकबूल हुसैन उम्र 32 वर्ष निवासी मानपुर थाना सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 31 नग ऑनरेक्स कफसिरप जप्त किया गया। जिसकी बाजारू कीमत करीब 15 हजार 5 सौ रूपये है। मामले में नशीली सिरप जप्त कर धारा 21सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे व उनकी टीम सक्रिय रही।

नगर पंचायत के नए कार्यालय भवन के लिए 1 करोड़ 68 लाख रुपए स्वीकृत

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने धमतरी जिले के कुरुद नगर पंचायत के नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए एक करोड़ 68 लाख 30 हजार रुपए मंजूर किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग संचालनालय द्वारा अधोसंरचना मद से राशि स्वीकृति का आदेश जारी कर दिया गया है। कुरुद नगर पंचायत में वार्ड क्रमांक-15 में मंडी रोड के पास नगर पंचायत के नए कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा।

समाजसेवी नरसिंह साव का निधन

बसना। ग्राम बंसुला निवासी समाजसेवी नरसिंह साव, पिता- श्री बलिराम साव का 75 वर्ष के उम्र मे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम बंसुला मुक्ति धाम मे विधि विधान से किया गया। अंतिम संस्कार कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों इष्ट मित्र, परिजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। वे बंसुला के पूर्व सरपंच व वर्तमान जनपद सदस्य तथा बसना जनपद सदस्य जन्मजय साव एवं तहसील साहू समाज बसना के उपाध्यक्ष परसुराम साव के पिता थे। बंसूला बसना के सैकड़ों लोगों ने श्री साव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया है।

वीरांगना रानी दुर्गावती के शहादत दिवस पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अर्पित की पुष्पांजलि

- वीरांगना रानी दुर्गावती के आदर्शों पर चलने की अपील

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय महासमुंद मे रानी दुर्गावती की शहादत दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े महासमुंद जिले के प्रवास के दौरान उन्होंने बी.टी.आई. रोड स्थित वीरांगना महारानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, स्काउट गाइड के अध्यक्ष येतराम साहू एवं बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, महिला समूहों की सदस्य, युवा वर्ग तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सभी ने रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने वीरांगना की साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की एक महान वीरांगना थीं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका जीवन साहस, नेतृत्व, आत्मबलिदान और राष्ट्र के प्रति निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती जैसी विभूतियां देश के युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने उपस्थित जनसमुदाय से आह्वान किया कि वे रानी दुर्गावती के आदर्शों को अपनाएं और सामाजिक जागरूकता, शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति को सशक्त करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे,डीएमसी रेखराज शर्मा,विकास खंड शिक्षा अधिकारी जेआर डहरिया एवं विकास खंड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा पूर्णानंद मिश्रा के मार्गदर्शन में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा पहिली,छठवीं तथा अन्य कक्षाओं में नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को नये शाला में प्रेरित करने तथा उनके मन नये परिवेश में अभिरुचि जागृत करने के लिए शाला प्रवेशोत्सव का शानदार तरीके से शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल में धूमधाम से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करके नव प्रवेशी बच्चों का फूल,तिलक लगाकर,आरती उतारकर स्वागत किया गया,जिससे सभी बच्चों के चेहरे पर मुस्कान उभर आई। प्रधान पाठक हीराधर साव,प्रेमचन्द साव,प्राथमिक शाला प्रधान पाठक रत्ना कर,सहायक शिक्षक सरिता सिदार,राजकुमार निषाद द्वारा तिलक गुलाल लगाकर स्वागत किया गया।इको क्लब प्रभारी शिक्षक प्रेमचन्द साव एवं सहायक शिक्षक आसमां परविन द्वारा नवप्रवेशी बच्चों का इस पल को विशेष यादगार बनाने के लिए नवप्रवेशी सभी छात्र-छात्राओं के हथेलियों का छाप लिए गये। सभी छात्र-छात्राओं को अतिथियों के द्वारा पाठ्य-पुस्तक एवं गणवेश वितरण किया गया।अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा की सार्थकता और निरंतरता तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा पालकों को अपने बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया गया। शिक्षक प्रेमचन्द साव ने इस अवसर बताया कि शिक्षक और पालक के बीच एक मजबूत और सकारात्मक संबंध बच्चे के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षक,बालक के शैक्षणिक और सामाजिक-भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और माता-पिता,बालक के पहले शिक्षक और मार्गदर्शक होते हैं।प्रधान पाठक हीराधर साव ने कहा कि विद्यालय की सफल संचालन के लिए प्रमुख स्तंभ शिक्षक,छात्र और पालक का योगदान व सहभागिता अतिआवश्यक है।पूर्व माध्यमिक प्रधानपाठक हीराधर साव,प्रा.शा. प्रधानपाठक श्रीमती रत्ना कर,शिक्षक प्रेमचन्द साव,राजकुमार निषाद, श्रीमती रेखा पाण्डेय, सहायक शिक्षक आसमां परविन, सरिता सिदार,पालकों में हीना बेगम, हेमलता चौहान,समीम बानों, सहजादी बानो, क्षीरसागर देवांगन, नारद नेताम,शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारीगण, सदस्य, गणमान्य नागरिक गण, शिक्षक गण तथा पालकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

धौराभाठा (घो) में सरपंच पति द्वारा पत्रकार को धमकी देने का मामला तूल पकड़ा, एडिशनल एसपी ने जांच का दिया आश्वासन

बिलाईगढ़ (समय दर्शन): जनपद पंचायत बिलाईगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत धौराभाठा (घो) में एक पत्रकार को सरपंच पति द्वारा कवरेज के दौरान एफ्आईआर में फंसाने की धमकी देने का मामला अब गरमाने लगा है। पत्रकारों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पत्रकार संघ ने एक स्वर में इस घटना की निंदा करते हुए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से तत्काल कार्यवाही की मांग की है। घटना के संबंध में बताया गया कि स्थानीय पत्रकार मिथुन ग्राम पंचायत में हो रहे वित्तीय अनियमितताओं की जांच व कवरेज के लिए पहुंचे थे। उसी दौरान पंचायत सरपंच के पति ने उन्हें खबर दिखाने से मना किया और कथित रूप से एफ्आईआर में फंसाने की धमकी दी। पत्रकार ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की है।

इस गंभीर प्रकरण में पत्रकारों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की, जिस पर एडिशनल एसपी श्रीमती निमिषा पांडे ने पत्रकारों को आश्वस्त किया है कि पूरे मामले की जांच बिलाईगढ़ एसडीओपी से कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पत्रकार संघ ने जताया आभार, पर कहा ङ्क निगरानी आवश्यक- एडिशनल एसपी के आश्वासन के बाद पत्रकार संघ ने उनका आभार तो जताया है, लेकिन साथ ही प्रशासन से मांग की है कि जांच निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए। पत्रकारों ने कहा कि यदि ऐसा व्यवहार लोकतंत्र के प्रहरी के साथ किया जाएगा, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा बन जाएगा।

क्या है मूल मामला ?- सूत्रों के अनुसार धौराभाठा पंचायत में 15वें वित्त आयोग की राशि में अनियमितता, बिना जीएसटी बिल के भुगतान जैसे मामलों की कवरेज करने पहुंचे पत्रकार मिथुन को सरपंच पति ने रिपोर्टिंग से रोकने का प्रयास किया। उनका कहना था कि यह खबर उजागर करने पर एफ्आईआर दर्ज करा दी जाएगी।

पत्रकारों ने दी चेतावनी- पत्रकार संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि इस मामले में शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे जिला स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे। उनका कहना है कि पत्रकारों को डराने-धमकाने का सिलसिला बंद होना चाहिए, वरना लोकतंत्र की नींव कमजोर होगी।

पत्रकारों ने दी समर्थन की हुंकार - नरेश चौहान जिला अध्यक्ष देवराज दीपक कृष्णा महिलाने युराज निराला समीप अनंत मिथुन यादव पिंगध्वज खांडेकर चन्द्रिका भास्कर मोहन लहरे सुनील टंडन अजय जोल्हे भागवत साहू मिलन महंत देव जाटवर संभु पटेल राजकुमार सिदार

पाटन ब्लॉक के ग्राम बटंग में मनाया गया ब्लॉक स्तरीय, शाला प्रवेशोत्सव, शिक्षा विभाग पाटन का आयोजन , प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

बलराम यादव

पाटन। शिक्षा विभाग पाटन ब्लॉक द्वारा ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन ग्राम बटंग में किया गया। आयोजन में अतिथियों का स्वागत के बाद बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे। अध्यक्षता जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, जिला पंचायत दुर्ग की सभापति श्रीमती नीलम चंद्राकार, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, जनपद सभापति प्रणव शर्मा, जनपद सदस्य डॉक्टर घनश्याम कौशिक, जनपद सदस्य खेमलाल देशलहरे, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष अशोक निषाद, सरपंच गैंदू राम , पार्षद कमल देवांगन, बाबा वर्मा, सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांकृतिक प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षा के महत्व को बताया गया। स्वागत प्रतिवेदन खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप महिलांगे ने पढ़ा। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में 35 बच्चों का पाटन ब्लॉक के चयन हुआ है। पाटन में नेशनल लेबल पर स्कालरशिप मिल रही है। नवोदय विद्यालय में 17 छात्र छात्राओं का चयन हुआ है। खेलो इंडिया के तहत खो खो और वेटलिफ्टिंग में भी सफलता प्राप्त किया हैं। सरस्वती साइकिल योजना के तहत पात्र छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। कक्षा पहली, छठवीं , नवमी ने नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर, गणवेश वितरण, पुस्तक वितरण कर स्वागत किया। सफाई कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों ने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम के संचालन मोहित शर्मा ने तथा आभार व्यक्त खिलावन चोपड़िया ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बाबा वर्मा, सरपंच विनय चंद्राकर, संदीप चंद्राकर, सरपंच फुंडा रोशन वर्मा, सहित शिक्षक बच्चे और ग्रामीण मौजूद रहें। मुख्यातिथि विजय बघेल ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि अभाव के बाद भी पाटन ब्लॉक के शिक्षक पूरी मेहनत कर रही हैं । बच्चे मेरिट में आ रहे है। उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षक और पालक सभी को अपना अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

सांसद विजय बघेल ने गाया मोर संग चलव , , , इस दौरान जब छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया उसके बाद सांसद विजय बघेल ने अपने चिरपरिचित अंदाज में छग गीत मोर संग चलव की संगीतमय प्रस्तुति दी। जिसे उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों, बच्चे सहित ग्रामीणों ने खूब सराहना किया।

समग्र बांस विकास सम्मेलन : बांस विशेषज्ञ ने पर्यावरण और आजीविका के लिए बांस को बताया उपयोगी

बांस की खेती को लेकर जिले में बनायी जायेगी योजना-कलेक्टर मिश्रा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / एक दिवसीय समग्र बांस विकास सम्मेलन का आयोजन स्थानीय शासकीय श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में किया गया। इस मौके पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि बांस एक ऐसा बहुउपयोगी प्राकृतिक संसाधन है, जो न केवल आजीविका के नए अवसर प्रदान करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि जिले के गंगरेल और तुमग़बाहरा में बांस की खेती को लेकर विशेष कार्य योजना बनाई जा रही है। श्री मिश्रा ने यह भी बताया कि जिले की विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में कमार परिवारों द्वारा बांस से बनी सामग्रियां तैयार की जा रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में बांस के विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त आईएफ्एस श्री ए.के. भट्टाचार्य द्वारा बांस आधारित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है, जिसका लाभ आप सभी उठायें। कलेक्टर ने किसानों से अपील किया कि वे श्री भट्टाचार्य द्वारा दी गई जानकारियों को आत्मसात करें। इस अवसर पर डीएफ्ओ श्री कृष्ण जाधव, कृषि एवं वन विभाग के अधिकारी, व्यापारी वर्ग एवं जिले भर से आए किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बांस विशेषज्ञ श्री भट्टाचार्य ने बांस की खेती, उसके प्रकार, प्रबंधन और विपणन के साथ-साथ बांस आधारित आजीविका के अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांस, प्लास्टिक और स्टील का बेहतरीन विकल्प है, और इसका हर भाग किसी न किसी रूप में उपयोगी होता है। उन्होंने किसानों को बताया कि बांस से न केवल पारंपरिक चीजें, बल्कि आधुनिक घरेलू और सजावटी सामग्रियाँ जैसे फर्नीचर, लैंप, पेन स्टैंड, झाड़ू, सूपा, बर्तन, टूथब्रश, पानी की बोतलें, ज्वेलरी आदि भी बनाए जा सकते हैं, जिनकी बाजार में काफी मांग है।

भाजपा पाटन मंडल द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का बलिदान दिवस मनाया गया

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा पाटन मंडल द्वारा रेस्ट हाउस पाटन में एक देश में दो विधान-दो प्रधान और दो निशान, नहीं चलेंगे जैसे आवाज बुलंद करने वाले राष्ट्र की अखंडता, स्वाभिमान एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रहरी, भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् व प्रखर राष्ट्रनायक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित की गई, आपकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि एवं त्याग समस्त देशवासियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी बंछोर एवं अतिथियों द्वारा प्रखर राष्ट्र नायक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तैलचित्र में श्रद्धासुमन अर्पित किया गया,

पाटन मंडल अध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया,

मंडल उपाध्यक्ष श्री हर्ष भाले द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया,

उपाध्यक्ष श्री हरिशंकर साहू ने स्वतंत्र भारत में मुखर्जी जी के मंत्री के रूप में किये कार्य पर प्रकाश डाला गया, मुख्य वक्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री खेमलाल साहू जी ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को जनसंघ के संस्थापक बताया तथा संगठन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के संदर्भ में प्रकाश डाला गया,

श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर चलकर राष्ट्र के वैभव और सम्प्रभुता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिए।

कश्मीर हो या बंगाल, देश अखंडता के लिए उनके बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी नहीं भूलेगा।

माँ भारती के अमर सपूत डॉ.मुखर्जी जी के संघर्ष, समर्पण व देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में विराट योगदान सदैव हमें मार्गदर्शन प्रदान करती रहेंगी।

नवनिर्वाचित सदस्यों का परिचय किया गया।

कार्यक्रम संचालन का कार्य कृष्ण कुमार साहू महामंत्री पाटन मंडल द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्री टीकाराम देवांगन उपाध्यक्ष पाटन मंडल द्वारा किया गया,

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री हर प्रसाद आडिल जिला अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष, श्री टामन लाल साहू, श्री अर्जुन साहू, श्री केशव बंछोर, श्रीमती खेमिन साहू, श्रीमती किरण सोनवानी, श्रीमती केंवरा साहू, पार्षद श्रीमती संगीता धुरंधर , किरण बंछोर , गोरेलाल श्रीवास,मिलन देवांगन,टीकाराम देवांगन, शुभम् सोनवानी ,विजय बंछोर, देवेंद्र ठाकुर , प्रकाश बिजौरा,सन्नी अवधेश ठाकुर ,संतोष वर्मा , सुरेश निषाद, सुनील वर्मा आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्राक्कलन समिति राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

रुपये का सही उपयोग, योजना का सही मूल्यांकन ही अच्छे शासन की नींव : बृजमोहन

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सोमवार को मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा में आयोजित संसद और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की विधानमंडलीय निकायों की प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।

प्रशासन में दक्षता और मितव्ययिता सुनिश्चित करने हेतु बजट प्राक्कलनों की प्रभावी निगरानी और समीक्षा में प्राक्कलन समिति की भूमिका विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से सांसद, विधायकों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

सांसद अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि, हर रुपये का सही उपयोग और हर योजना का सही मूल्यांकन, यही अच्छे शासन

की नींव है। यह सम्मेलन उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन बजट के प्रभावी उपयोग, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि समिति सदस्यों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ हुई सार्थक चर्चा में प्रशासनिक प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव साझा किए गए।

अग्रवाल ने यह भी कहा कि ऐसी बैठकें न केवल केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को मजबूत करती हैं, बल्कि शासन में आर्थिक अनुशासन, जनहित की योजनाओं की गुणवत्तापूर्ण निगरानी और संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने में भी मदद करती हैं।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपा ने मनाया बलिदान दिवस

महिलाओं ने थामा भाजपा का दामन

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक व देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिला इकाई ने बलिदान दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। शारदा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उद्योग विभाग के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, व अन्य वरिष्ठ नेता, पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जवाहर नगर मंडल के तत्वावधान में किया गया।

भाजपा की नीति से प्रभावित होकर कई महिलाएं पार्टी में शामिल- इस अवसर पर गांव की कई महिलाओं ने भाजपा की नीति-रीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ली। विधायक व नेताओं ने उन्हें गमछा पहनाकर स्वागत किया। इससे पहले मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल व अन्य कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

वक्ताओं ने बलिदान को बताया प्रेरणा- राजीव अग्रवाल ने कहा, हमारी डबल इंजन सरकार, डॉ. मुखर्जी के बताए रास्ते पर प्रदेश को विकास की ओर ले जा रही है।

किशोर महानंद बोले, डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर के लिए बलिदान दिया। धारा 370 के खिलाफ आवाज उठाकर देश की एकता को मजबूत किया।

संदीप जघेल ने कहा, एक देश, एक विधान, एक प्रधान— डॉ. मुखर्जी का यह सपना मोदी सरकार ने साकार किया।

बलिदान को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया- कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए मील का पत्थर है। कश्मीर में एक देश, दो विधान, दो निशान का विरोध करने वाले डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता के लिए जान की बाजी लगा दी।

कार्यक्रम में रायपुर भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, प्रदेश पदाधिकारी सत्यम दुआ, सच्चिदानंद उपासने, नंदे साहू, संजय श्रीवास्तव, चन्नी वर्मा, अमर गिदवानी, गीता रेड्डी, सुभाष अग्रवाल, शंकर शर्मा, प्रणीत जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री ने 11 शासकीय वाहनों को दिखाई हरी झंडी

रायपुर (समय दर्शन)। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को शंकर नगर रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से उद्योग विभाग के अधीनस्थ जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों एवं संचालनालय इंद्रावती भवन के लिए कुल 11 शासकीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में उद्योग विभाग के माध्यम से प्रदेश में कुल 5 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वाहनों की कमी की वजह से फील्ड पर दौरा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, औद्योगिक क्षेत्र के नियमित दौरा करने के निर्देश पूर्व में दिए गए थे। विभागों को संसाधन पर्याप्त तौर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर उद्योग विभाग के संचालक प्रभात मलिक, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अमित शाह ने शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की। गृह मंत्री शाह ने शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शहादत देश के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी शहादत को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। शाह ने शहीद के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया। इस अवसर पर शाह ने शहीद के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों की ठगी मामले में फरार पूर्व सीएम का करीबी केके श्रीवास्तव गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। करोड़ों की ठगी मामले में EOW को बड़ी कामयाबी मिली है। खुद को पूर्व मुख्यमंत्री का करीबी बताने वाले बिलासपुर निवासी केके श्रीवास्तव को ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा) की टीम ने मध्यप्रदेश के भोपाल स्थित एमरॉल्ड होटल से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि श्रीवास्तव ने दिल्ली की कंपनी रावत एसोसिएट्स से स्मार्ट सिटी का 500 करोड़ का काम दिलाने का झांसा देकर 15 करोड़ रुपए की ठगी की थी।

झांसे में लिया दिल्ली की कंपनी को, काम न मिलने पर धमकी- केके श्रीवास्तव ने रावत एसोसिएट्स के मालिक अर्जुन रावत को रायपुर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बड़ा ठेका दिलाने का वादा किया था और उसे प्रदेश के बड़े नेता से भी मुलाकात कराई। भरोसा जीतने के बाद उसने ऊपरी लोगों को पहुंचाने के नाम पर 15 करोड़ रुपए ऐंठ लिए। लेकिन काम नहीं मिला। जब रावत ने पैसे वापस मांगे, तो श्रीवास्तव ने चेक दिया—जो बाउंस हो गया। इसके बाद धमकियां देने लगा।

ईओडब्ल्यू, ईडी और पुलिस की घेराबंदी- तेलीबांधा थाने में श्रीवास्तव और उसके बेटे कंचन के खिलाफ मामला दर्ज हुआ।

ईओडब्ल्यू को इनपुट मिला कि श्रीवास्तव भोपाल में छिपा है। वहां से उसे गिरफ्तार कर रायपुर लाया जा रहा है।

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने भी श्रीवास्तव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है।

पुलिस ने जोमैटो और स्विगी डिलीवरी बॉय के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाकर पैसे ट्रांसफर कराने का खुलासा भी किया है।

तंत्र-साधना से बनाई थी सियासी पहुंच- श्रीवास्तव खुद को तांत्रिक और धार्मिक अनुष्ठानकर्ता बताता था। इसी माध्यम से उसकी पहुंच तत्कालीन मुख्यमंत्री और कई वरिष्ठ नेताओं तक बन गई थी। उसी साख का फायदा उठाकर उसने करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया।

फरार घोषित, इनाम भी घोषित था- केके श्रीवास्तव के खिलाफ 10 माह पहले स्नङ्घक्र दर्ज की गई थी, जिसके बाद वह फरार हो गया था। पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित कर उस पर इनाम भी रखा था। हाईकोर्ट से भी अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद उसके ठिकाने पर नजर रखी जा रही थी। आखिरकार, ईओडब्ल्यू की टीम ने उसे भोपाल से गिरफ्तार कर लिया।

बेटा कंचन अब भी फरार- इस मामले में आरोपी बनाए गए श्रीवास्तव का बेटा कंचन श्रीवास्तव अब भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने अपने निवास कार्यालय में भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, महान शिक्षाविद्, और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित किया। वे न केवल कुशल संगठक थे, बल्कि दूरदर्शी राष्ट्रनायक भी थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति को राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता के सुदृढ़ सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना के माध्यम से डॉ. मुखर्जी ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया, जिसने देश को राष्ट्रीय हित में सोचने और कार्य करने की नई दृष्टि प्रदान की। उनके विचार आज भी हमारी लोकतांत्रिक चेतना को दिशा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रसेवा आजीवन साधना और तपस्या है। उनका समर्पण और उच्च आदर्श आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ हैं। हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

सोनी इंडिया ने लॉन्च किया नया दूसरी पीढ़ी का फ्लैगशिप Alpha™ 1 II फुल-फ्रेम कैमरा

नई दिल्ली: Sony India ने आज नया फ्लैगशिप फुल-फ्रेम मिररलेस इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा Alpha™ 1 II लॉन्च किया। यह कैमरा Sony की नवीनतम ्ढ्ढ प्रोसेसिंग यूनिट से लैस है और कई क्रांतिकारी फीचर्स प्रदान करता है। यह दूसरी पीढ़ी का Alpha™ 1 II कैमरा लगभग 50.1 मेगापिक्सल का प्रभावी रेजोल्यूशन सेंसर प्रदान करता है, जो AF/AE ट्रैकिंग के साथ 30 फ्रेम प्रति सेकंड की ब्लैकआउट-फ्री कंटीन्यूअस शूटिंग, एंटी-डिस्टॉर्शन शटर, और मिड-टू-हाई ISO पर बेहतर इमेज क्लैरिटी जैसी प्रमुख खूबियाँ देता है। नया AI प्रोसेसिंग यूनिट अब सबजेक्ट की पहचान करने की और उन्नत क्षमता के साथ आता है, जिसमें एक नया "Auto" मोड शामिल है, जो विभिन्न प्रकार के विषयों को पहचान सकता है। Alpha 1 II में Alpha 9 III से लिए गए कई इनोवेशन भी शामिल हैं, जैसे कि एक सेकंड तक की प्री-कैप्चर सुविधा और पहले से बेहतर एर्गोनॉमिक डिज़ाइन। इसका वज़न केवल लगभग 743 ग्राम (1 पाउंड, 7.3 औंस) है, जिससे यह विभिन्न प्रोफेशनल उपयोगों के लिए सुविधाजनक बनता है। सोनी इंडिया में इमेजिंग बिजनेस के हैड मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, "Alpha 1 II Sony की डिजिटल इमेजिंग कैटेगरी में प्रोफेशनल लीडरशिप का प्रमाण है। हाइ रेजोल्यूशन, असाधारण स्पीड, AI आधारित विषय पहचान और स्मूद वर्कफ्लो को जोड़कर यह कैमरा इंडस्ट्री के लिए नया मानक स्थापित करता है। यह उन प्रोफेशनल्स के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिन्हें आधुनिक विज़ुअल स्टोरीटेलिंग के लिए रचनात्मक स्वतंत्रता और भरोसेमंद तकनीक की ज़रूरत होती है।

ओप्पो ने लॉन्च किया के13 एक्स 5जी सबसे टफऔर ड्यूरेबल स्मार्टफोन

रायपुर। ओप्पो इंडिया ने अपने सेगमेंट में सबसे मज़बूत 5जी स्मार्टफोन ओप्पो के 13एक्स 5जी पेश किया है। यह बिना किसी समझौते के ड्यूरेबिलिटी और ऑल-राउंड फंक्शनैलिटी पसंद करने वाले युवा विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। के13×5 जी एसजीएस मजबूती के लिए गोल्ड ड्रॉप सर्टिफिकेशन और एमआईएल-एसटीडी 810एच मिलिट्री-ग्रेड मानकों के साथ आता है। इसलिए यह अपने सेगमेंट में सबसे अधिक मजबूत डिवाइस है। इसमें 360ए डैमेज-प्रूफआर्मर बॉडी है, जो एयरोस्पेस-ग्रेड एएम04 एल्युमिनियम एलॉय से बनी है। क्रिस्टल शील्ड ग्लास और गहरे समुद्री स्पंज से प्रेरित बायोमिमेटिक स्पंज शॉक एब्जॉर्प्शन सिस्टम इसकी मजबूती को बढ़ा देते हैं। आईपी65 वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस के साथ, ओप्पो के13×5जी ड्यूरेबिलिटी का नया मानक स्थापित करता है, तथा स्टाइल या उपयोग से समझौता किए बिना बेजोड़ मजबूती प्रदान करता है। ओप्पो के13एक्स 5जी के 4जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 11,999, 6जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 12,999 और 8जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 14,999 है। ये सभी वैरिएंट 27 जून 2025 से ओप्पो ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर दोपहर 12 बजे से मिलना शुरू होंगे। ये दो कलर्स - मिडनाइट वॉयलेट और सनसेट पीच में आएंगे। इन स्मार्टफोन्स पर ग्राहकों को बैंक ऑफर या द्बह्रक्र1000 के एक्सचेंज बोनस और 3 महीने के नो कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ सेल के दिन 4जीबी और 6जीबी वैरिएंट पर 1,000 का इंस्टैंट डिस्काउंट तथा 8जीबी वैरिएंट पर 2,000 का इंस्टैंट डिस्काउंट मिलेगा। जिससे इनके प्रभावी मूल्य क्रमश: 10,999, 11,999 और 12,999 हो जाएंगे। ओप्पो इंडिया के हेड, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, सैवियो डिसूज़ा ने कहा, हमारा ओप्पो के13 एक्स जेन ज़ी की जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह बेहतरीन मूल्य में बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी, शानदार परफॉरमेंस और इंटैलिजेंट पॉवर एफिशिएंसी प्रदान करता है। के 13 एक्स अत्याधुनिक बायोमिमेटिक शॉक एब्जॉर्प्शन सिस्टम, अपनी कैटेगरी के सर्वश्रेष्ठ बैटरी ऑप्टिमाइज़ेशन और 5जी रेडीनेस के साथ आता है। यह स्मार्टफोन बिना किसी समझौते के एंट्री-लेवल स्मार्टफोन की क्षमता के दायरे बढ़ाने का ओप्पो का विज़न प्रदर्शित करता है।

गोंदिया-मधुपुर-गोंदिया के बीच आठ फेरे, श्रावणी त्योहार में स्पेशल ट्रेन

बाबा धाम जाने वाले यात्रियों को मिलेगी कंफ़र्म बर्थ सुविधा

रायपुर: सावन माह में बाबा धाम जाने वाले यात्रियों को आरक्षित बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य द्वारा गोंदिया-मधुपुर-गोंदिया के मध्य श्रावणी स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है । यह ट्रेन कुल 08 फेरे लगाएगी ।गाड़ी संख्या 08855/08856 गोंदिया-मधुपुर-गोंदिया श्रावणी स्पेशल ट्रेन, प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को गोंदिया से 11 जुलाई, 2024 से 04 अगस्त, 205 तक तथा इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को मधुपुर से 12 जुलाई, 2024 से 08 अगस्त, 205 तक 08 फेरे के लिए चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, तिल्दा, भाटापारा, बिल्हा, बिलासपुर, अकलतरा, नैला, चांपा, बाराद्वार, सक्ति, खरसिया, रायगढ़, बेलपहाड़, ब्रजराजनगर स्टेशनों में दिया गया है । 08855 गोंदिया-मधुपुर श्रावणी स्पेशल ट्रेन गोंदिया से 12.30 बजे रवाना होगी तथा डोंगरगढ़ 13.28/13.30 बजे, राजनांदगांव 13.52/13.54 बजे, दुर्ग 14.40/14.45 बजे, रायपुर 15.30/15.35 बजे, तिल्दा-नेवरा 16.08/16.10 बजे, भाटापारा 16.30/16.32 बजे, बिल्हा 17.00/17.02 बजे, बिलासपुर 17.35/17.45 बजे, अकलतरा 18.10/18.12 बजे, नैला 18.26/18.27 बजे, चांपा 18.37/18.39 बजे, बाराद्वार 18.52/18.54 बजे, सक्ति 19.06/19.08 बजे, खरसिया 19.21/19.23 बजे, रायगढ़ 19.53/19.55 बजे, बेलपहाड़ 20.35/20.37 बजे, ब्रजराजनगर 20.50/20.52 बजे, झारसुगुड़ा 21.25/ 21.27 बजे, राऊरकेला 22.50/22.58 बजे, दूसरे दिन चक्रधरपुर 00.25/00.30 बजे, टाटानगर 01.30/01.35 बजे, खड़गपुर 04.00/04.05 बजे, आन्दुल 05.50/05.55 बजे, डानकुनि 07.17/07.22 बजे, बर्द्धमान 08.12/08.14 बजे, दुर्गापुर 09.09/09.11 बजे, आसनसोल 09.50/10.00 बजे, चित्तरंजन 10.23/10.25 बजे होते हुए 12.30 बजे, मधुपुर स्टेशन पहुंचेगी । इसी प्रकार 08856 मधुपुर-गोंदिया श्रावणी स्पेशल ट्रेन, मधुपुर से 14.30 बजे रवाना होगी तथा चित्तरंजन 15.08/15.10 बजे, आसनसोल 15.50/16.00 बजे, दुर्गापुर 16.30/16.32 बजे, बर्द्धमान 17.41/17.43 बजे, डानकुनि 18.40/18.45 बजे, आन्दुल 20.05/20.10 बजे, खड़गपुर 21.50/22.00 बजे दूसरे दिन टाटानगर 00.35/00.40 बजे, चक्रधरपुर 01.35/01.40 बजे, राऊरकेला 03.00 /03.08 बजे।

संपादकीय

नक्सलियों का हिंसक होना

सरकार के आक्रामक रुख के बावजूद नक्सलियों का हिंसक होना वाकई दुखद है। छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहीद हो गए। इस घटना में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। जबकि नक्सलवाद पर नकेल बीते वर्ष की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जाता है, पर इसमें राज्यों की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। बीते वर्ष अकेले छत्तीसगढ़ में ही करीब एक हजार से अधिक नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। सबसे अधिक नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। नक्सलियों की कमर सबसे अधिक छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है। यहां लगभग 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस चोट के बावजूद नक्सली संगठन गाहे-बगाहे सुरक्षा बलों को निशाना बना ही रहे हैं। ये जानते हुए कि अब उनके दिन गिनती के रह गए हैं। हिंसा का रास्ता वैसे भी लंबी दूरी तय नहीं करता है। नक्सलियों ने अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भोले-भाले ग्रामीणों के कंधे पर रख अपना उल्लू सीधा किया। यह धत् कर्म ये नक्सली संगठन लंबे वक्त से करते रहे हैं। हालांकि मोदी सरकार ने अपने 11 वर्ष के शासनकाल में नक्सलियों की कमर लगभग तोड़ दी है, लेकिन सुरक्षा बल के अधिकारी की हत्या करना यह दर्शाता है कि वो निराश हो चुके हैं और समाज की मुख्यधारा में लौटने की उनकी मंशा बिल्कुल भी नहीं है। जबकि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की भी शुरु आत की। इससे न केवल हिंसा में कमी आई, बल्कि स्थानीय लोगों की दुारियां भी कम हुई। इस कारण उन लोगों का मन बदला। तमाम उपायों के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया। सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की। स्वाभाविक तौर पर सरकार बचे-खुचे नक्सलियों के खात्मे के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाएगी। हां, इस अभियान में निर्दोष लोगों को बेवजह परेशान न किया जाए, इस बात का ख्याल रखने की महती जरूरत है।

'एक और चेरनोबिल' की आशंका

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान परमाणु हमले की नौबत नहीं आएगी। अमरीका ईरान के भूमिगत परमाणु कार्यक्रम पर इतना घातक हमला नहीं करेगा, जिससे परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो जाए और पर्यावरण में विकिरण फैल जाए। यदि ऐसा होता है, तो एक और चेरनोबिल दुर्घटना दुनिया को देखनी पड़ सकती है। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों का विध्वंस और करीब 2.2 लाख मौतों का इतिहास दुनिया को आज भी याद है। अमरीका ने अगस्त, 1945 में जापान के शहरों पर सबसे पहले एटम बम फेंके थे, जिनके नकारात्मक प्रभाव पीढ़ी-दर-पीढ़ी देखे गए। उस जनसंहारक हमले के 80 साल पूरे होने को हैं। मौजूदा इजरायल-ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका क्या होगी, यह बिल्कुल अस्पष्ट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'अंतिम सेकंड में फैसला लेने' की बात कही है। वह अपने बयान बदलते रहे हैं। वह अहंकार की मुद्रा में हैं कि कोई नहीं जानता कि उनका फैसला क्या होगा? वैसे रूस और चीन के राष्ट्रपतियों ने आपस में फोनिक बातचीत करने के बाद अमरीका को चेतावनी दी है कि वह इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से न घुसे। इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। यह चर्चा लगातार जारी है कि अमरीका अपने विशेष 'बंकरफोड़ बम' का इस्तेमाल कर ईरान के भूमिगत 'फोर्दू' परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर सकता है। ऐसे बम और विमान सिर्फ अमरीका के पास ही हैं। यह परमाणु कार्यक्रम जमीन के अंदर 90 मीटर की गहराई में चलाया जा रहा है। अमरीकी विशेष बम भी 60-62 मीटर की गहराई तक बंकर को तोड़ सकता है। हालांकि इजरायल ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों-नतांज, इस्फ्हान और फोर्दू-पर हवाई हमले किए हैं। उनमें से नतांज पर काफी नुकसान हुआ है, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को तबाह नहीं किया जा सका है। 'चेरनोबिल' की स्थिति तब पैदा होगी, जब परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह कर दिए जाएंगे। 'चेरनोबिल' परमाणु दुर्घटनाओं के इतिहास की सबसे अधिक घातक और खौफ्नाक दुर्घटना थी। यह सोवियत संघ के दौर में यूक्रेन के एक शहर में 26 अप्रैल, 1986 को हुई। उससे पैदा विकिरण से मुक्त करने और हादसे को अधिक बिगडने् से रोकने में तत्कालीन 1.8 करोड़ सोवियत रूबल (करीब 5 खरब भारतीय रुपए) खर्च करने पड़े थे। हालांकि दुर्घटना से तुरंत 100 मौतें हुई थीं, लेकिन उसके प्रभाव जारी रहे, लिहाजा मौतों और बीमारियों को गिना नहीं जा सका। हिरोशिमा और नागासाकी के एटमी हमले ने पूरी दुनिया को सचेत कर दिया था, लिहाजा 1970 में 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) पर अधिकतर प्रमुख देश सहमत हुए थे। ईरान सबसे पहले हस्ताक्षर करने वाले देशों में था, लेकिन इजरायल ने आज तक संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शायद परमाणु हमले का खौफ और विध्वंस दुनिया देख चुकी थी, नतीजतन आज तक 9 देश ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। यह विश्लेषण इसलिए करना जरूरी समझा गया, क्योंकि इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को बिल्कुल ही नेस्तनाबूद करना चाहता है और अमरीका उसके पीछे खड़ा है। विश्व शांति या परमाणु अप्रसार अमरीका या इजरायल की बपौती या ठेकेदारी नहीं है। बेशक परमाणु हथियार खत्म करना, कम करना और भविष्य में बनने न देना एक अपरिहार्य शर्त हो सकती है, लेकिन क्या इजरायल और पाकिस्तान सरीखे देशों पर यह शर्त लागू नहीं होती? पर्यावरण खतरों के मद्देनजर परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग, स्वच्छ बिजली के लिए, दुनिया भर में होना लाजिमी है। भारत में भी परमाणु ऊर्जा के 22 रिएक्टर सक्रिय हैं और रूस के सौजन्य से निर्माणाधीन भी हैं। हम परमाणु शक्ति संपन्न देश भी हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों से बंधे हैं। ताकतवर देश मनमर्जी से किसी भी देश के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को इस आधार पर ध्वस्त नहीं कर सकते कि वह परमाणु बम बना रहा है और दुनिया के अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है।

कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 'तानाशाही' के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

25 जून 2025 को कांग्रेस पार्टी की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, 'कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।'

20 नवंबर 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, ''आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफ़ी नहीं मांगी। ख़ासकर नेहरू-गांधी खानदान से अफ़्सोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। ग़ैर-कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर ख़ामोश ही रही।''

माफ़ी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है। ''पूर्व पीएम ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दर्शाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।'' पूर्व पीएम राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस पार्टी के मूल चरित्र को दर्शाता है। आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज़्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदिरा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मर्यादाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा कि, हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें? मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।

मई 2004 में ए इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था। बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस पार्टी के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। यानी अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फ्तिरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं।

नैयर लिखते हैं कि, ''युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हर्जाना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी जी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

आपातकाल के 45 साल बाद विदेशी धरती पर राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि इमरजेंसी का निर्णय गलत था। लेकिन देशवासियों से उन्होंने या कांग्रेस के किसी नेता ने आपातकाल के लिए माफ़ी नहीं मांगी। कांग्रेस नेता गाहे—बगाहे आपातकाल पर गुमराह करने और बेशर्मी से इस अमानवीय फैसले को सही साबित करते रहते हैं। लेकिन वे अपनी पार्टी के नेता द्वारा लिए गए एक घोर अलोकतांत्रिक और संविधान का गला घोंटने वाले निर्णय, अमानुषिक और तानाशाही रवैये के लिए माफ़ी मांगने का नैतिक और राजनीतिक साहस जुटा नहीं पाते हैं।

संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल

अनिल चमड़िया

मीडिया के करोबार का विश्लेषण करने वाले एक बेहद उलझे हुए प्रश्न से जूझ रहे हैं। एक तरफ तो यह दावा किया जाता है कि पढ़ने और खासतौर से समाचार पत्र और पत्रिका की संस्कृति खत्म हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार ने 2024-2025 में पत्र-पत्रिकाओं की संख्या और उनकी प्रसार संख्या में बढ़ोतरी का दावा किया है।

एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र-पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ़ना तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है। तब इसका अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लोकतंत्र में नागरिकों के अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का संविधान में उल्लेख तो हो सकता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मीडिया कंपनियां अपने हितों में करती है।

पूरी दुनिया की तरह भारत में भी प्रिंट की तकनीक पर आधारित संचार माध्यमों ने जन जीवन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। इतिहास में यह विश्लेषण मिलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से राजनीतिक सत्ताएं इसे नये तरह के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी। भारत में भी संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल की प्रवृत्ति के बढ़ने को लेकर स्वतंत्रता के बाद से ही चिंता जाहिर की जा रही है। संचार माध्यमों खासतौर से समाचार माध्यमों की राजनीतिक सत्ता के पक्षधर होने की आलोचना होती है।

आपातकाल के बाद से यह आलोचना ज्यादा मुखर हुई है। आंकड़े संख्या की भाषा में प्रस्तुत होते हैं, लेकिन उनका विश्लेषण आंकड़ों के भीतर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के कड़वे विवरणों को सतह पर ला देता है। आंकड़ों के रूप में संचार माध्यमों के विस्तार पर नजर डालें तो यह तथ्य काबिले गौर है कि 1857 में तब के भारत में 475 अखबार निकलते थे और उनमें से अधिकांश प्रांतीय भाषाओं में निकलते थे। इन समाचार पत्रों की प्रसार संख्या भी आबादी की तुलना में बेहद कम होती थी। 2025 की तुलना में इस समय छपी सामग्री को पढ़ने की क्षमता अपेक्षाकृत बेहद कम थी, लेकिन स्वतंत्रता के आंदोलन से नागरिकों में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के प्रति चेतना इतनी गहरी थी कि अपने अधिकार के इस्तेमाल के लिए संचार माध्यमों पर निर्भरता ज्यादा नहीं बढ़ी। यही वजह हो सकती है 1957 तक रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की तादाद महज 446 थी। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चुनावी वर्षो के आसपास रोजाना के समाचारपत्रों की संख्या तुलनात्मक रूप से ज्यादा हो जाती है। चुनाव के बाद के वर्षो में संख्या में विस्तार की गति कमजोर हो जाती है।

मसलन 1984, 1985 और 1986 में प्रकाशित समाचार पत्रों की संख्या का विश्लेषण किया जा सकता है। इसी तरह 1989 और 1999 में भी समाचार पत्रों की संख्या की गति तेज होने का उदाहरण मिलता है। बाद के चुनाव के इर्द-गिर्द के वर्षो पर नजर डालने के बाद 2014 से पूर्व समाचार पत्रों की संख्या पर नजर डालें तो इसके स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि चुनाव के मद्देनजर समाचार पत्रों की उपयोगिता की गति पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ी। 2012-13 में 12109 रोजाना के समाचार पत्र थे और उसके के बाद 2013-2014 में समाचार पत्रों की संख्या 13350 यानी एक हजार से ज्यादा नये पत्र निकले। 2012-2013 में समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 8.43 प्रतिशत है। यह प्रवृत्ति 2024 तक देखी जा सकती है। 2019-2020 के आंकड़े बताते हैं कि अकेले इस वर्ष समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 19.52 प्रतिशत है। देश में राजनीतिक सत्ता आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सतहों पर आकार लेती है। जाति और घर्म तो राजनीतिक सत्ता के आधार में होते ही हैं, लेकिन जाति और धर्म का भी एक भाषाई आधार देखने को मिलता है। हिन्दी में सबसे ज्यादा 60107 प्रकाशन होने की जानकारी मिलती है। इसके बाद अंग्रेजी में 20175 प्रकाशन हुए मगर इनकी तुलना में कश्मीरी और डोगरी में सबसे कम संख्या देखने को मिलती है।

उर्दू में प्रकाशन की संख्या 7027 है। भाषा के आधार पर समाचार पत्रों पत्रिकाओं के विस्तार का विश्लेषण करें तो इनकी छवि राजनीतिक प्रचारक के रूप में दिखती है। संचार माध्यमों के विस्तार का आधार क्या शैक्षणिक, नागरिकों की आर्थिक स्थितियां, आबादी आदि होती है। आंकड़े इस तरह के तकरे व कसौटी को स्वीकार नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश आबादी में सबसे बड़ा है और वहां सर्वाधिक 22741 प्रकाशन है और दूसरे नंबर वाले महाराष्ट्र में 21522 प्रकाशन है, लेकिन आबादी में बड़ा तीसरा राज्य बिहार में महज 2219 है। मध्य प्रदेश आबादी में पांचवे नंबर पर है, लेकिन सर्वाधिक प्रकाशन वाले राज्यों में तीसरे नंबर पर है। पश्चिम बंगाल आबादी में चौथे नंबर पर है लेकिन वहां आबादी में छठवें नंबर वाले तमिलनाडु के कुल 7596 की तुलना में 9209 प्रकाशन हैं। आबादी में 19वें नंबर वाली दिल्ली देश की एकलौती राजधानी है इसीलिए वह तुलना के गणित से बाहर है।

जाति जनगणना का निर्णय मजबूरी या जरूरत

प्रो. नवल किशोर

पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात देश में भारत-पाक युद्ध की आशंका बन रही थी। इस तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संकट के समय में राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट कमिटी की बैठक से जातिगत जनगणना कराने की खबर ने देशवासियों को चौंका दिया था।

आश्चर्यचकित होने का पहला कारण था फैसले का समय और दूसरा इस मुद्दे पर भाजपा का यू-टर्न। गौरतलब है कि इस सवाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प-यात्रा के एक कार्यक्रम में कहा था कि उनके लिए देश में सिर्फ चार जातिया हैं- मजदूर, युवा, महिला और किसान।

इस आलोक में यह भी बताना जरूरी है कि उपरोक्त टिप्पणी का उद्देश्य बिहार में तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा कराई जा रही जाति सर्वे को सार्वजनिक तौर पर खारिज करना था। अब जबकि इस वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव आसन्न है, भाजपा के इस निर्णय को यू-टर्न कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। जातिवार जनगणना के पक्षकारों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि देर आए, दुरु स्त आए, लेकिन निर्णय के टाइमलाइन पर संशय व्यक्त किया गया था जिसके प्रति-उत्तर में अब एनडीए सरकार ने अगामी प्रक्रिया के समय सारणी की भी घोषणा कर दिया। आखिर क्यों? बीते वर्षो में भाजपा ने सदन से सड़क तक इसका जमकर विरोध किया था। कहा जा सकता है कि क्या यह निर्णय मजबूरी में लिया गया या इसके जरूरत को स्वीकारा गया है। यह जानना बेहद दिलचस्प है।

उत्तर-मंडल काल में जातिगत जनगणना की मांग निस्संदेह ओबीसी राजनीति के केंद्र में निरंतर रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री एच. डी. देवगौड़ा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा सरकार ने पहली दफा फैसला लिया था कि 2001 में जातिगत जनगणना होगी, परंतु वर्ष 1999 में सरकार बदली और फैसला भी बदल गया। एनडीए सरकार में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सदन को सूचित किया था कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराएगी। सर्वविदित है कि भारतीय समाज का सबसे बड़ा हिस्सा सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग था जिसमे लगभग तीन हजार जातियां शामिल थी। इन्हें मुख्यधारा से जोड़ना और विकसित करना किसी भी सरकार के लिए संवैधानिक प्रतिबद्धता मानी गई है। इस उद्देश्य से संविधान का एक पूरा का पूरा भाग -16 (अनुच्छेद 330-342) राष्ट्र को समर्पित है।

इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए काका कालेलकर आयोग (प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग) एवं मंडल आयोग (दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग) का गठन हुआ किया गया था। इन रिपोर्ट में जाति जनगणना की जरूरत अंकित होने के बावजूद दशकों से यह मांग लंबित पड़ी थी। इसके पक्ष में सर्वसम्मति से पारित संसदीय प्रस्ताव के बाद यूपीए-ने सामाजिक-आर्थिक जातीय सर्वेक्षण 2011 कराई, लेकिन उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर पाई थी। भाजपा ने तो उक्त रिपोर्ट को सदा के लिए ठंडे बस्ते डाल दिया और राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को भी संसदीय सवाल-जवाब में साफ मना कर दिया। भाजपा को बिहार में चुनावी जीत तो मिली है लेकिन लगभग तीन दशक बाद भी वह एक राजनीतिक शक्ति नहीं बन पाई है। विदित हो देश-स्तर पर भाजपा को आम चुनाव 2014 में बहुत बड़ा जनादेश मिलने के अगले ही साल बिहार विधानसभा चुनाव में उतनी ही बड़ी शिकस्त भी मिली थी। आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को शासन-विरोधी लहर झेलना पड़ेगा। अकस्मात जाति जनगणना कराए जाने का यह संभावित कारण हो सकता है। बिहार में राजद ने जातीय जनगणना और आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी को पुरजोर तरीके से मुद्दा बना रखा है। भाजपा लंबे समय से 'सवर्ण पार्टी' की छवि से उबरने का प्रयास कर रही है। जाति जनगणना से वह ओबीसी और अन्य वंचित वगरे को यह संदेश देना चाहती है कि वह उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर है। इस एक निर्णय से विपक्ष की मांग का जवाब भी दिया जा रहा है। इसे स्वीकार करके भाजपा विपक्ष की राजनीतिक बढ़त को संतुलित करना चाहती है। साथ ही 2024 और आगे के चुनाव की रणनीति सुनिश्चित करना भी भाजपा नीत सरकार की मंशा है। इसके माध्यम से जातिगत आंकड़ों के आधार पर चुनावी रणनीति तैयार करना अधिक संभव होगा, जिससे मतदान पैटर्न को बेहतर समझा जा सकेगा।

बहरहाल यह एक बहुस्तरीय रणनीतिक कदम है, जिसमें राजनीतिक लाभ, सामाजिक संतुलन, नीतिगत दक्षता, प्रगतिशील विचार और लोकप्रिय समर्थन की संभावनाएं निहित हैं। बावजूद इसके कि जाति जनगणना का निर्णय विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के दवाब में लिया गया है, अगर इसका अनुपालन सही, सम्यक एवं समदर्शी ढंग से किया जाए, तो यह भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधित्वशील, लोक कल्याणकारी एवं समावेशी बना सकता है। दूसरे शब्दों में यह जाति जनगणना सामाजिक न्याय के अनुपालन की दिशा में मंडल पार्ट-2 की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर सकता है। समय की मांग है कि जाति जनगणना के माध्यम से सामाजिक न्याय को न सिर्फ जीवन-पद्धति का हिस्सा बनाया जाए अपितु मानवीयता एवं मानव अधिकार को भी उद्दात रूप प्रदान किया जाए।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।

लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।

हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।

डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।

खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।

यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं।

आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीकहोती हैं।

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।

यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।

नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।

शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।

टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।

वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।

अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है। लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है। महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।

हाल ही में सिंगापुर मे हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं। स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।

सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी किरंदुल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शानदार शुभारंभ

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन): डीएवी पब्लिक स्कूल, किरंदुल में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाकलापों (CCA) का शुभारंभ 24 जून 2025 को विद्यालय सभागार में हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव, सदन प्रभारियों के.पी. सिंह, राजकुमार राय, रूपा सक्सेना, धरती वर्मा, और CCA प्रभारियों एम.के. डागरिया, श्रीमती नीति सिंह, तेजिंदर कौर, रेखा सिंह व अर्चना बघेल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया।विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित CCA के तहत चारों सदनों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं वर्ष भर आयोजित की जाती हैं। इस अवसर पर कक्षा 6 से 8 (कनिष्ठ वर्ग) के लिए भजन प्रतियोगिता और कक्षा 9 से 12 (वरिष्ठ वर्ग) के लिए लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। छात्रों ने राजस्थानी, मराठी, छत्तीसगढ़ी और बंगाली लोक नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित सभी ने सराहा।कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में ऐसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा के नए सत्र का मंगल शुभारंभ,प्रवेश उत्सव में गूंजा उल्लास, बच्चों का तिलक कर स्वागत

साजा। शासकीय प्राथमिक शाला सोनचिरैया में मंगलवार को नन्हें विद्यार्थियों के स्वागत के लिए हर्षोल्लास के साथ प्रवेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ किया गया, जिससे पूरे परिसर में ज्ञान और संस्कार का वातावरण बना। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच देवराज वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं उपसरपंच रत्नावली संजय साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष मुकेश साहू, उपाध्यक्ष जगदीश साहू, रामेश्वर साहू, रघुनाथ साहू, मोहित साहू, पंचगण, पालकगण एवं शिक्षकगण भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। विद्यार्थियों को तिलक लगाकर गणवेश, प्रसाद व मिठाई का वितरण किया गया। बच्चों के लिए विशेष भोज की व्यवस्था की गई जिसमें मध्यान्ह भोजन संचालनकर्ता द्वारा खीर, पुड़ी व मटर-आलू की स्वादिष्ट सब्जी परोसी गई। प्रधानपाठक खेमलाल वर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अभिभावकों, अतिथियों व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष : 27 जून को होगा वृहद वृक्षारोपण अभियान

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी छत्तीसगढ़। धमतरी/ संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। इस अवसर पर जिले में 27 जून को वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही जुलाई महीने में भी हर शनिवार को ग्राम पंचायतों और प्राथमिक सहकारी साख समितियों के परिसरों में पौध रोपण का काम चलता रहेगा। इस अभियान के लिए अपेक्षित संख्या में पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश कलेक्टर ने वनमण्डलाधिकारी को दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष की थीम ''सहकारिता से बेहतर दुनिया का निर्माण'' निर्धारित किया गया है। इसे एक पेड़ मां के नाम अभियान से जोड़ते हुए जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। इन लगाए गए पौधों का संवर्द्धन और संरक्षण संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्र में काम करने वाले वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा सहकारी समितियों के अमले द्वारा किया जाएगा। अभियान के तहत मुख्य रूप से फलदार, छायादार, औषधीय पेड़ और प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के कार्यक्षेत्र में आजीविका आधारित वृक्ष जैसे हर्रा, बहेड़ा, आंवला, इमली, कुसुम आदि के पेड़ लगेंगे। हर एक ग्राम पंचायत में एक सौ पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 27 जून को जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ-साथ अन्य 34 ग्राम पंचायतों में भी पौधरोपण किया जाएगा।

खरसिया-दुर्ग-परमालकसा नई रेलवे लाइन परियोजना में 25 करोड़ के मुआवजा घोटाले का दावा

अनाज व्यवसायी जैन बंधुओं ने भू-माफियाओं पर अधिकारियों से सांठगांठ कर अधिग्रहण क्षेत्र की जमीन खरीदी का लगाया आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। खरसिया-दुर्ग- परमालकसा नई रेलवे लाइन परियोजना अंतर्गत दुर्ग जिले में बड़े मुआवजा घोटाले का सनसनीखेज आरोप लगाया गया है। यह आरोप दुर्ग ब्राम्हणपारा निवासी अनाज व्यवसायी रूपेश जैन और रितेश जैन द्वारा मंगलवार को मीडिया से चर्चा में लगाया गया है। उन्होंने मामले में 25 करोड़ के घोटाले का दावा किया है।

जैन बंधुओं ने संयुक्त रुप से कहा है कि भू-माफियाओं ने राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर अधिग्रहण क्षेत्र की गोपनीय जानकारी लीक कराई और फिर प्रभावित गांवों में जमीन की व्यवस्थित खरीददारी कर करोड़ों का मुआवजा हड़पने की साजिश रची है। उन्होने बताया कि नई रेलवे लाइन परियोजना से ग्राम बोरिगारका,घुघसीडीह और पुरई प्रभावित हो रही है। इन गांवों की सूची 5 सितंबर 2018 को तैयार हुई थी। उसके एक-दो दिन बाद ही यह सूची गोपनीय रूप से भू-माफियाओं तक पहुंचा दी गई। इसके बाद 30-35 लोगों द्वारा गिरोह बनाकर भोले-भाले किसानों को झांसे और लालच में फंसा कर उनकी जमीनें खरीद ली गई। अनाज व्यवसायी रुपेश जैन और रितेश जैन ने कहा कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की धारा 11 और 20(ए) के अनुसार सूचना जारी होते ही अधिग्रहित क्षेत्र की जमीनों की खरीदी-बिक्री, नामांतरण, खाता विभाजन और नक्शा बंटवारा निषेध होता है। इसे लेकर उनका आरोप था कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी व अन्य अधिकारियों ने इन नियमों को दरकिनार करते हुए सिर्फ 12 दिनों में 9 एकड़ जमीन को 500 वर्ग मीटर के टुकड़ों में बांटकर मुआवजे की तैयारी शुरू कर दी। इन छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटी गई भूमि पर प्रति वर्गफुट की दर से तीन गुना मुआवजा मिलना तय है, जिससे अनुमान है कि इस घोटाले में 25 करोड़ रुपये तक का सरकार को नुकसान उठाना पड़ सकता है। जैन बंधुओं ने कहा है कि इस कथित घोटाले की उनके द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, राजस्व सचिव, कलेक्टर और एसडीएम तक लिखित शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई जांच या कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। उल्टा शिकायतें फिर से एसडीएम को वापस भेज दी गई है, जिससे पीड़ित व्यापारियों और स्थानीय जनता में शासन व प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। अनाज व्यवसायी रुपेश जैन और रितेश जैन ने इस मुआवजा घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की मांग शासन-प्रशासन से की है, ताकि इस घोटाले में लिप्त सरकारी अधिकारी व भू-माफियाओं की संलिप्तता उजागर हो सके। उन्होने मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही पर जोर देते हुए कहा है कि ऐसे लोगों पर शिकंजा कसे जाने से क्षेत्र के किसानों को न्याय मिलेगा और सरकारी धन की लूट रोकी जा सकेगी।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में संस्था की प्रथम प्रशासिका ओम राधे की पुण्यतिथि का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर 卐 बघेरा दुर्ग में 24 जून को संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका ओम राधे की पुण्यतिथि का आयोजन किया गया । इस अवसर पर दुर्ग संचालित समस्त सेवाकेन्द्रों से 500 से भी अधिक संख्या में भाई बहनें उपस्थित हो अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किये व मौन तपस्या का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर विस्तार से जानकारी देते हुए रीटा बहन (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ने बताया कि 1936 में अविभाजित भारत के कराची सिंध हैदराबाद में दादा लेखराज जो कि सिंधी समाज के प्रतिष्ठित व ख्यातिनाम जौहरी थे उनके साकार तन में निराकार परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण हुआ जिन्हें परमात्मा ने दिव्य कर्तव्य हेतु दिव्य नाम प्रजापिता ब्रह्मा दिया व कलियुगी सृष्टि के विनाश व सतयुगी सृष्टि का दिव्य साक्षात्कार कराया । इसी समय ओम मंडली के नाम से संस्था की शुरुआत हुई उस समय इस दिव्य कर्तव्य को पूर्ण करने अनेक भाई बहनें ने इस कार्य हेतु अपना सर्वस्व समर्पण कर परमात्म कार्य में सहयोगी बने । इसी समय एक छोटी कन्या जिनका नाम ओम राधे था उनका भी इस ओम मंडली में आगमन हुआ जिन्हें परमात्मा ने दिव्य नाम जगदंबा सरस्वती दिया व सभी बच्चे उन्हें मम्मा नाम से संबोधित करते थे ।

अल्पायु में मातृत्व पालना का ऐसा गुण जिसके कारण उनको जन्म देने वाली माँ भी उन्हें मम्मा कहती थी । मम्मा कुशाग्र बुद्धि की धनी और परमात्मा के हर आज्ञा को शिरोधार्य कर उनका स्वरूप बनने का प्रत्यक्ष सबूत दिया तथा परमात्म कार्य में सभी सहयोगी आत्माओं की दिव्य पालना कर उन्हें दिव्य गुणों से भरपूर किया । कहा जाता है आधार सशक्त व मजबूत हो तो संपूर्ण संरचना भी सशक्त होती है । संस्था की प्रथम प्रशासिका के दायित्व का दैवी गुणों के द्वारा ऐसा सिंचित किया जो ओम मंडली संस्था कालांतर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के नाम से विश्व व्यापी हो विशाल वटवृक्ष के भांति विश्व के पाँचों महाद्वीपों में 140 से भी अधिक सेवाकेन्द्रों के द्वारा ईश्वरीय संदेश दे अनेक आत्माओं का जीवन सुख शांति समृद्धि से भरपूर कर नवीन दैवी स्वराज्य की स्थापन में अपनी महती भूमिका निभा रही हैं ।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस आयोजन में शहर से अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुये व आये हुए भाई-बहनों ने मातेश्वरी जी की दिव्य शिक्षाओं को जीवन में धारण कर परमात्म के कार्य में सहयोगी बन औरों को भी सहयोगी बनाने का श्रेष्ठ संकल्प लिया ।

लंबित मंहगाई भत्ता तथा डी- ए- एरियर की मांग को लेकर बैठक

सभी संगठनों को एक जुट होना समय की पुकार- अटेरिया

छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त प्रदेष अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष श्री करन सिंह अटेरिया द्वारा प्रदेष के अधिकारी कर्मचारियों के सभी संगठनों से आपसी मतभेद भूलकर एक होने की अपील की गई है। श्री अटेरिया द्वारा बताया गया है कि कर्मचारी संगठनों में आपसी मदभेद होने के कारण पूर्ववर्ती सरकारों एवं वर्तमान सरकार द्वारा समय पर मंहगाई भत्ता नही देने तथा डी.ए. एरियर्स की राशि का भुगतान नहीं किये जाने से भारी आर्थिक हानि का खमियाजा हमारे सभी अधिकरी कर्मचारी साथियों को उठाना पड़ रहा है। हम सब संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी अपनी अहम (इगो) वाली मानसिकता को छोड़कर एक साथ बैठकर मंहगाई भत्ता तथा डी.ए. एरियर्स जैसे कॉमन मुद्दे पर विचार करने हेतु दिनांक 26.06.2025 गुरूवार (समय 1:00 बजे से 3:00 बजे तक)

को इन्द्रावती भवन नया रायपुर में बैठक आयोजित किया जाना है। जिसमें छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष तथा पदाधिकारी गण, छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष तथा पदाधिकारी गण, शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के संयोजक एवं फेडरेशन से जुड़े सभी प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण, कर्मचारी अधिकारी महासंघ के संयोजक एवं महासंघ से जुड़े सभी प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण, संयुक्त मोर्चा के संयोजक एवं मोर्चा से जुड़े सभी प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण, शिक्षक फेडरेशन के संयोजक, एवं फेडरेशन से जुड़े सभी प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के संयोजक एवं सभी प्रांतीय पदाधिकारी गण, छत्तीसगढ़ राज्य पेंशनर फेडरेशन के संयोजक एवं सभी पेंशनर संघों के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण, छत्तीसगढ़ प्रदेष कोषालयीन कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष तथा पदाधिकारी गण, छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष तथा पदाधिकारी गण अनियमित कर्मचारी ऐसोसिएशन के संयोजक एवं सभी प्रांतीय अध्यक्ष गण, अध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ, अध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, समस्त वाहन चालक संघों के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण तथा निगम/मंडल बोर्ड/आयोग के प्रांतीय अध्यक्ष व पदाधिकारी गणों से दिनांक 26.06.2025 को इन्द्रावती भवन नया रायपुर आयोजित बैठक में अधिकारी कर्मचारियों के मंहगाई भत्ता तथा डी.ए. एरियर्स जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने हेतु 02 प्रतिनिथियों के साथ उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

लखोली में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस मनाई गई

राजनांदगांव । शहर के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र लखोली के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनसंघ के संस्थापक सदस्य और महान देशभक्त डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उनके तैल चित्र पर तिलक कर पुष्प और अगरबत्ती से पुजा अर्चना की गई । कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश गुप्ता अग्रहरि , उर्दू अकादमी बोर्ड के पुर्व चेयरमैन अकरम कुरैशी आदि ने उनके राष्ट्रवादी विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जम्मू - कश्मीर को भारत का पुर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाना चाहते थे । उन्होंने संसद में धारा 370 को समाप्त करने पुरजोर वकालत की थी वक्ताओं ने उनके प्रसिद्ध नारे एक देश में दो विधान दो प्रधान और निशान नहीं चलेंगे को दोहराते हुए कहा कि यह आज भी देशभक्ती की मिशाल है

। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम के प्रभारी प्रवीण शुक्ला , युवा मोर्चा के शहर अध्यक्ष प्रखर श्रीवास्तव, लखोली वार्ड के पार्षद गण डीलेश्वर साहू, गिरिजा संतोष निर्मलकर , चंद्रिका साहू, संतोष साहू , आशीष डोंगरे, प्रकाश मारकंडे, सुरेश साहू, आशीष शोरी, मिलन साहू, रुपेश श्रीवास, छबिलाल साहू, हीरा साहू, राकेश विश्वकर्मा, मंजु गोसाईं, रश्मि साहू, करुणा भिमटे, यमुना साहू, दुर्गा वासनिक, यमुना साहू, अनिता साहू, सुशीला वास्तविक सहित सभी बुथ अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति बड़ी संख्या में रही कार्यक्रम का संचालन संतोष निर्मलकर ने एवं आभार प्रदर्शन आशीष डोंगरे ने किया ।

विकास खण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन

सारंगढ़ (समय दर्शन) : आयुक्त आयुष रायपुर के निर्देशानुसार एवं डॉ संजय कन्नौजे कलेक्टर सारंगढ़ बिलाई गढ़ के मार्गदर्शन में तथा डॉ चंद्रशेखर गोरहा जिला आयुष अधिकारी रायगढ़ के संरक्षण में नि:शुल्क विकास खण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन दिनांक 25/6/2025 को ग्राम कोतरी में मंगल भवन शासकीय प्राथमिक शाला परिसर कोतरी में किया जा रहा है जिसमें खण्ड स्तरीय समस्त आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जाँच कर आवश्यक दवाइयां वितरण की जावेगी साथ ही दैनिक आहार बिहार की जानकारी दिया जाएगा तथा सामान्य रोगों के साथ साथ बात रोग श्वास रोग कफ अम्लपित्त त्वचा रोग स्त्री रोग शिशु एवं बाल रोग मूत्र विकार अर्श भगंदर वृद्धावस्था जन्य रोग शारीरिक एवं मानसिक दौर्बल्यता एवं अन्य रोगों के परामर्श व उपचार आदि की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जावेगी। मौसमी बीमारियों व संक्रमण रोगों की रोकथाम एवं रोग प्रतिरोधक उपाय की जानकारी प्रदान किया जाएगा साथ ही हीमोग्लोबिन व ब्लड शुगर रक्त परीक्षण की भी सुविधा रहेगी। अत: क्षेत्र के सभी सम्माननीय नागरिकों से डॉ यशवंत कुमार स्वर्णकार जिला नोडल अधिकारी आयुष द्वारा अपील की जाती है कि ग्राम कोतरी (सारंगढ़) में आयोजित आयुष स्वास्थ्य मेला में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वास्थ्य लाभ लेवे एवं आयोजन को सफल बनाए। आयुर्वेद अपनाए ट्ठ सुखमय जीवन पाए।।

आपातकाल भारत के लिए श्राप - हर्षिता

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारँगढ भाजपा ने आपात काल को लेकर केशरवानी भवन में प्रेस वार्ता आयोजन किया गया

जिसमे हर्षिता पांडेय प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व राज्य महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष, ज्योति लाल पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष, केराबाई मनहर पूर्व विधायक , संजय पांडे जिला पंचायत अध्यक्ष,भूवनलाल मिश्रा कार्यक्रम संयोजक, जगन्नाथ केशरवानी ,हरिनाथ खुंटे प्रदेश मंत्री अजा मोर्चा ,मनोज जायसवाल , अजेश अग्रवाल प्रेस वार्ता में शामिल रहे आपातकाल को लेकर भाजपा प्रवक्ता हर्षिता पांडेय ने गांधी परिवार को जमकर निशाना साधा कहा भारत की हर एक नागरिक को आपातकाल के बारे में जानने की जरूरत है कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है सता में रहने के लिए देश में आपातकाल लगा दिया न जाने कितने निर्दोष लोगों को सलाखें के पीछे डाल दिया

आगे पांडेय ने कहा 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था। कांग्रेस पार्टी ने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की

आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है।

मार्च 1971 में लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी की वैधानिकता को चुनौती मिली। उनके विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव को भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर चुनौती दी। देश की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था। देश पहले से ही आर्थिक बदहाली, महंगाई और खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नव निर्माण आंदोलन खड़ा हो चुका था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में ऐतिहासिक रेल हड़ताल ने पूरे देश को जकड़ लिया। इस आंदोलन को रोकने के लिए 1974 में गुजरात में इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया। यही राष्ट्रपति शासन 1975 में लगने वाले आपातकाल की एक शुरुआत था।

इसके साथ ही बिहार में कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा और 1975 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। 12 जून 1975 को कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। इसके बाद राजनीतिक अस्थिरता तेजी से बढ़ी, जिससे घबराकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को 'आंतरिक अशांति' का हवाला देकर राष्ट्रपति से आपातकाल लगा दिया। रातोरात प्रेस की बिजली काटी गई, नेताओं को बंदी बनाया गया और 26 जून की सुबह देश को तानाशाही की सूचना रेडियो के माध्यम से दी गई। संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया, संसद और न्यायपालिका को अपंग बना दिया गया। यह सिलसिला किसी युद्ध या बाहरी हमले से नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के कुर्सी खोने होने के भय से शुरू हुआ और पूरे राष्ट्र को मौलिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया।

खबर-खास

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर ने याचिका को खारिज कर निगम के पक्ष में फैसला सुनाया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई में बकाया संपत्तिकर की राशि जमा नहीं करने या स्व-विवरणी की जानकारी गलत भरने पर निगम द्वारा करदाता से 5 गुणा अतिरिक्त पेनाल्टी शुल्क लिए जाने का प्रावधान है। नोटिस जारी करने के बाद एक मामला सामने आया है, जिसमें भिलाई के एक व्यक्ति ने निगम के 5 गुणा पेनाल्टी शुल्क के खिलाफ उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका क्रमांक 2873 के तहत याचिका दायर किया था। जिस पर सुनवाई करते हुए माननीय न्यायाधीश श्री अरविंद कुमार वर्मा ने दिनांक 13.06.2025 को याचिका को खारिज करते हुए निगम के पक्ष में फैसला सुनाया। करदाता द्वारा बकाया संपत्तिकर की राशि जमा नहीं करने या स्व-विवरणी की जानकारी गलत भरने पर निगम द्वारा करदाता से 5 गुणा अतिरिक्त पेनाल्टी शुल्क वसूल किया जाना नगर निगम अधिनियम में उल्लेखित है। बकाया कर की राशि जमा नहीं करने पर संबंधित को नोटिस जारी कर उसके संपत्ति को कुर्की कर राशि वसूल किया जा सकता है।

प्रोजेक्ट युवा : ''उद्यम से विकास'' के तहत बाजार विकास पर 26 जून को कार्यशाला

होटल जिंजर लीफरूद्री में सुबह 10 बजे शुरू होगी वर्कशॉप

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की पहल पर जिले में प्रोजेक्ट युवा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उद्यम से विकास श्रृंखला में रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के तहत बाजार विकास पर एक दिवसीय नि:शुल्क कार्यशाला का आयोजन आगामी 26 जून को किया जाएगा। सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक स्थानीय जिंजर लीफ रेस्टोरेट में आयोजित यह कार्यशाला सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, महिला उद्यमी और स्व सहायता समूह, हस्त शिल्प, हाथकरघा, खाद्य प्रसंस्करण, वनोपज आधारित उद्यम, ऐसे कारीगर एवं उत्पादक जो ऑनलाईन बिक्री के इच्छुक हैं, लाभार्थियों के लिए उपयोगी रहेगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई, महिला उद्यमियों, स्व सहायता समूह के सदस्यों और पारम्परिक कारीगरों को कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाना, विपणन सहायता प्राप्त करना, नेटवर्किंग के अवसर समझना, उत्पादों की दृश्यता मे वृद्धि और लॉजिस्टिक्स समर्थन के बारे में जानकारी देना है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने धमतरी जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों और लाभार्थियों से अपील की है कि वे इस नि:शुल्क कार्यशाला का लाभ उठाएं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र धमतरी के प्रबंधक, श्री प्रशांत चन्द्राकर से उनके मोबाईल नंबर 81037-18222 अथवा प्रचेता किरण के मोबाईल नंबर 86022-26369 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

चौकी कनकबीरा के नये भवन निर्माण हेतु किया गया भूमिपूजन

कनकबीरा (समय दर्शन) पुलिस चौकी कनकवीरा का नवीन चौकी भवन निर्माण हेतु आज दिनांक 24.6.2025 को पुलिस अधीक्षक सारंगढ़ श्री आँजनेय वार्ष्णेय के द्वारा विधि विधान से भूमि पूजन किया गया जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पांडे एसडीओपी सारंगढ़ श्रीमती स्नेहिल साहू डीएसपी मुख्यालय श्री अविनाश मिश्रा, रक्षित निरीक्षक जितेंद्र चंद्रा,थाना प्रभारी सारंगढ़ निरीक्षक कामिल हक , चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक टीकाराम खटकर एवं स्टाफ तथा ग्राम पंचायत कनकबीरा के सरपंच, गणमान्य नागरिक रामकुमार थूरिया, खीरसागर पटेल, जितेंद्र गुप्ता, ठेकेदार दयानन्द बौद्ध उपस्थित रहे।

देश को आपातकाल की आग में झोंकने वाली कांग्रेस की मानसिकता पचास साल बाद भी नहीं बदली- भाजपा

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस को संविधान की पुस्तक छूने का अधिकार नहीं

कवर्धा (समय दर्शन)। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान के साथ खिलवाड़ किया और पूरे देश में आपातकाल लागू कर दिया। संविधान में दिए गए नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को समाप्त कर दिया। इसे काला दिवस के रूप में भी हम जानते हैं। देश को आपातकाल की आग में झोंकने वाली कांग्रेस की मानसिकता पचास साल बाद भी नहीं बदली। आज वही कांग्रेस हाथ में संविधान की पुस्तक लिए संविधान बचाने का ढोंग कर रही है। जबकि कांग्रेस नेताओं को संविधान की पुस्तक रखना तो दूर छूने का अधिकार भी नहीं है और अपनी कारगुजारियों के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश का संविधान बहुत मजबूत है। उसकी जड़े इतनी गहरी हैं कि उसे बचाने के लिए किसी आदमी की आवश्यकता नहीं है। बल्कि संविधान हमारी और हमारे अधिकारों की रक्षा करती है। कांग्रेस ने आपातकाल में प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिको के मौलिक अधिकार को समाप्त कर अपनी सरकार बचाने के हथकंडे अपनाए थे और रातों रात लोकतंत्र की हत्या कर दी थी।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में

'आंतरिक अशांति' का बहाना लेकर देश पर आपातकाल थोप दिया था। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपनी कुर्सी बचाने की हताशा में लिया गया था, क्योंकि 12 जून 1975 को अदालत ने उन्हें चुनाव में दोषी ठहराते हुए अयोग्य करार दिया था। कांग्रेस का इतिहास रहा है कि जब जब उनकी सत्ता खतरे में आई है, तब तब वे संविधान के साथ मनमानी करते हुए अपने हिसाब से बेहिसाब संशोधन कर संविधान को बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले नेताओं और आम नागरिकों को जेल में ठूंस दिया गया। उस दौर में प्रेस की बिजली काट दी गई। कांग्रेस 50 साल बाद आज भी उसी मानसिकता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि मार्च 1971 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी की वैधानिकता को चुनौती मिली। विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनाव को भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर चुनौती दी। देश की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था। देश पहले से ही आर्थिक बदहाली, महंगाई और खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नव निर्माण आंदोलन खड़ा हो चुका था। जॉर्ज फर्नांडिश के नेतृत्व में 8 मई 1974 को ऐतिहासिक रेल हड़ताल ने पूरे देश को जकड़ लिया। इस आंदोलन को रोकने के लिए 1974 में गुजरात में इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया। यही राष्ट्रपति शासन 1975 में लगने वाले आपातकाल की एक शुरुआत थी। इसके साथ ही बिहार में कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा और 1975 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी को 12 जून 1975 में कोर्ट ने चुनाव में दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। इसके बाद राजनीतिक अस्थिरता तेजी से बढ़ी, जिससे घबराकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आंतरिक अशांति का हवाला देकर राष्ट्रपति से आपातकाल लगा दिया। रातों रात प्रेस की बिजली काटी गई, नेताओं को बंदी बनाया। जिस कांग्रेस ने अपनी सत्ता सुख के लिए संविधान में कई बार मनमानी संशोधन किया और संविधान बदलने की कोशिश की। आज वही कांग्रेस संविधान बदलने का भ्रम फैलाकर संविधान बचाने का ढोंग कर रही है।

प्रेस कांफ्रेंस में जिलाध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, अनिल ठाकुर, मोती चंद्रवंशी, संतोष पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे।

नगर पंचायत कोपरा में अवैध रेत उगाही का गोरखधंधा, 'दान पत्र' की फर्जी रसीद से हो रही वसूली,,,सीएमओ की भूमिका संदिग्ध

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले के नगर पंचायत कोपरा में रेत परिवहन के नाम पर खुलेआम अवैध उगाही की जा रही है। वाहन चालकों से ?200 की राशि 'नगर विकास दान पत्र' नामक एक फर्जी रसीद के माध्यम से वसूली जा रही है,जबकि रेत खनन व परिवहन का पूरा अधिकार छत्तीसगढ़ शासन के खनिज विभाग के पास है।यह कार्यवाही न केवल नियमों के खिलाफ है,बल्कि सार्वजनिक संपदा की अवैध लूट का जीवंत उदाहरण है।

नगर के श्रीरामजानकी मंदिर में हुई रेत खदान की डील,यहां नगर अध्यक्ष की मौजूदगी में पैरी नदी के रेत खदान को बेच दिया गया,तब से रेत खनन पर रॉयल्टी के नाम पर दान पत्र फर्जी पर्ची पर अवैध वसूली किया जा रहा है।

फर्जी रसीद,फर्जी सिस्टम —

कोई वैधानिक आधार नहीं,,,स्थानीय लोगों द्वारा साझा की गई रसीद में न तो संस्था का नाम स्पष्ट है,न पंजीकरण विवरण,न बैंक खाता और न ही खनिज विभाग की कोई स्वीकृति।फिर भी इस तथाकथित 'दान पत्र' के नाम पर प्रतिदिन हजारों रुपये की वसूली हो रही है।इस मामले में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि की भूमिका भी संदिग्ध है।चूंकि पूर्व में नगर विकास के नाम पर रेत परिवहन करने पर स्थानीय कोपरा के ट्रैक्टर से 100 रुपए और बाहर के वाहन पर 200 रुपए शुल्क लेने नगर में मुनादी भी कराया गया था।

कृषि समिति अध्यक्ष का बड़ा खुलासा: सीएमओ ने खुद छपवाई रसीद,,,,,,,नगर पंचायत कोपरा के पार्षद और कृषि समिति अध्यक्ष जेठू राम ध्रुव ने इस पूरे मामले पर चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि नगर विकास दान पत्र की रसीदें स्वयं नगर पंचायत के सीएमओ द्वारा छपवाई गई हैं और रेत खनन का ठेका नगर पंचायत और कृषि समिति ने संयुक्त रूप से दिया है।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि रेत ठेका 1.50 लाख रुपए में साल भर के लिए निजी व्यक्ति को दिया गया है।

यह बयान न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन है,बल्कि यह भी दर्शाता है कि स्थानीय निकाय प्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर अवैध वसूली को संगठित रूप दे रहे हैं।

खनिज विभाग नदारद, प्रशासन मौन,,,,पूरे मामले में खनिज विभाग की न तो कोई स्वीकृति है और न ही कोई निगरानी। नतीजतन,पैरी नदी जैसे संवेदनशील संसाधनों का दोहन अवैध रूप से हो रहा है।इस संबंध में सीएमओ श्यामलाल वर्मा ने कहा कि मुझे रेत खनन और परिवहन से कोई लेना देना नहीं है। वही प्रशासन से जनता नगर पंचायत सीएमओ व कृषि समिति अध्यक्ष पर आपराधिक मामला दर्ज करने,दान पत्र से हुई समस्त वसूली की ऑडिट करने,खनिज विभाग को हस्तक्षेप कर रेत खनन को वैधानिक दायरे में लाने की मांग की है।ज्ञात हो कि नगर पंचायत कोपरा में हो रही यह कथित दान आधारित उगाही प्रशासनिक भ्रष्टाचार और लोक सेवा पद के दुरुपयोग का गंभीर मामला है।खनिज विभाग की चुप्पी और सीएमओ की सक्रिय भागीदारी, इस गोरखधंधे को सत्ता-प्रशासन के संरक्षण में संचालित होने का संकेत देती है।अब जरूरत है ठोस जांच और जवाबदेही की।

//कार्यालय राजस्व निरीक्षक पाटन, पाटन (छ.ग.)//
//आम सूचना//

विषय: सीमांकन बाबत।

एतत् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार पाटन के आ.क्र 450/ प्र.तह./2025 दिनांक 04/06/2025 के पालन में ग्राम पाटन पहन. 35 भूमि स्वामी श्री/श्रीमती गायत्री पति/पिता नोहर निवासी पाटन द्वारा आवेदित ग्राम पाटन स्थित भूमि खसरा क्र. 608, 623, 614 रकबा 0.08, 0.82, 0.36 जिसकी सीमा उत्तर में विमला/ सुखदेव/ धनश्याम/ हीरासिंह, गीता/ उधोराम दक्षिण में प्लाटिंग एरिया पूर्व में शासकीय भूमि, उषा बंजारे/ कामता प्रसाद पश्चिम में उषा बंजारे, कामता प्रसाद, राधा/ द्वारिका है, का सीमांकन दिनांक 30/06/2025 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 11-5 बजे किया जायेगा।

कोई भी व्यक्ति जो उक्त खसरा नम्बर की भूमि में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा, ले आउट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। तत्पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक 24.06.2025

मुहर

राजस्व निराक्षक
पाटन (छ.ग.)

आपातकाल के 50 वर्ष : कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता आज भी जीवित – किशोर महानंद

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर किया तीखा प्रहार

गरियाबंद (समय दर्शन)। 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन।इसी तारीख को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए संविधान और लोकतंत्र दोनों को कुचल कर आंतरिक अशांति का हवाला देते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया था। इस घटना को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं।इस अवसर पर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय गरियाबंद में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आपात काल एक राजनीतिक षड्यंत्र था, न कि कोई राष्ट्रीय संकट। इंदिरा गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए संविधान, लोकतंत्र और जन-अधिकारों को कुचल दिया था।

उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 की रात सिर्फ एक तिथि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हत्या का प्रतीक बन चुकी है। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया, समाचार पत्रों की बिजली काटी गई, सेंसरशिप थोप दी गई और हजारों निर्दोष नागरिकों, नेताओं और पत्रकारों को जेलों में ठूंस दिया गया। प्रदेश मंत्री किशोर महानंद ने कहा, कांग्रेस आज भी उसी आपातकालीन मानसिकता से ग्रस्त है।आज जब कांग्रेस सत्ता से बाहर है,तब वह लोकतंत्र की दुहाई देती है, लेकिन जब सत्ता में होती है, तब विरोध की हर आवाज को दबाने का प्रयास करती है।उन्होंने कहा कि आज भी कांग्रेस शासित राज्यों में पत्रकारों पर मुकदमे,सोशल मीडिया पोस्ट पर गिरफ्तारी और एक्टिविस्टों पर दमनकारी कार्रवाई आपातकाल की याद दिलाती है।उन्होंने इस पूरे दौर को डिजिटल इमरजेंसी करार दिया।महानंद ने इस बात पर भी जोर दिया कि जब देश में जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता लोकतंत्र की रक्षा में जेलों में बंद थे, तब इंदिरा गांधी ने अपने पुत्र संजय गांधी को अघोषित सत्ता का केंद्र बना दिया था। उन्होंने कहा कि आज भाजपा देश की जनता को उस कालखंड की सच्चाई याद दिला रही है ताकि फिर कभी कोई सत्ता के लालच में देश को तानाशाही की ओर न धकेल सके।प्रेसवार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, मीडिया प्रभारी राधेश्याम सोनवानी, आशीष शर्मा, सागर मयाणी, अजय रोहरा, धनराज विश्वकर्मा, अमित वखारिया, रितेश यादव उपस्थिति रहें।

// कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल अम्लेश्वर तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

अमलेश्वर दिनांक 18.06.2025

प्रति,
1. धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर पि. राधेश्याम 2. मे. हर्षित सिंघानिया बिल्डकॉन 3. महेन्द्र पि. सेवाराम 4. अशोक जैन पि. सेवाराम 5. सनत जैन पि. सेवाराम 6. यश जैन पि. डी.सी. जैन 7. श्रीमती शांतिबाई पति रामशरण 8. गायत्री पारधी पति देवलाल 9. अन्य ख. नं. 15 से संबंधित भूमिस्वामी

विषय - सीमांकन/ स्थल जांच में उपस्थित होने बाबत्।
संदर्भ - कार्यालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के पृ. क्र./ /ना.तह./2024
पाटन दिनांक / / 202... ।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 रा.नि.मं. अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग के अंतर्गत आवेदक श्री/श्रीमती प्रतिमा देवी पिता/ पति/ पिता श्री दिलीप कुमार आवेदित भूमि खसरा नं. 15/1 रकबा 0.30 हे. के भूमि का सीमांकन जांच दिनांक 25.06.2025 को समय 12.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। आप उक्त आवेदित भूमि के बटांकनधारी भूमिस्वामी/ आपकी भूमि आवेदक के भूमि से लगी हुई है अतएव भूमि संबंधित बैनामा/ दस्तावेज सहित निर्धारित स्थल एवं दिनांक पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। सूचनोपरांत अनुस्थित रहने पर आप व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

हल्का पटवारी को निर्दशित किया जाता है कि आवेदित भूमि के समीपवर्ती भूमिस्वामियों को कोटवार द्वारा सूचित कर नियत दिनांक को मय पटवार अभिलेख के साथ उपस्थित रहे।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
अमलेश्वर
तहसील पाटन

गरियाबंद नगर पालिका क्षेत्र में रोका छोका अभियान फेल, सरकारी आदेश कागजो में सिमटा,सड़को पर मवेशियो का कब्जा

गरियाबंद (समय दर्शन)। आवारा पशुओ के सुरक्षा और संरक्षण हेतु लागु की गई राज्य सरकार की महती योजना रोकाछेका अभियान नगर पालिका क्षेत्र में पूरी तहर फेल साबित हो रही है।जिम्मेदार प्रशासन के उदासीनता के चलते सरकारी आदेश कागज में ही सिमट गया और सड़को पर मवेशियो का कब्जा हो गया है।जिसके चलते आए दिन आवाजाही करने वाले राहगीर सड़क दुर्घटना का शिकार हो रहे है।घुमंतू मवेशियो के कारण नगर के बीच से होकर गुजरे नेशनल हाईवे 130 सहित सभी प्रमुख मार्गो में रोजाना यातायात प्रभावित हो रहा है परंतु प्रशासनिक निष्क्रियता इस कदर बढ़ गई है कि इस मामले में नगर पालिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियो के शिकायतो की भी सुनवाई नही हो रही है। रोका छेका अभियान के क्रियान्वयन और सड़को से घुमंतू मवेशी को हटाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष मेमन सहित सभी पार्षद और जनप्रतिनिधि लगातार शिकायत कर रहे है परंतु पालिका प्रशासन इस गंभीरता से ध्यान नही दे रहा है।इधर इस अभियान के लिए पालिका प्रशासन ने जिसे प्रभारी नियुक्त किया है वह भी अब तक इसमें सक्रिय नजर नही आए है जिसके चलते जनप्रतिनिधियो ने नाराजगी व्याप्त हैं।

ज्ञात हो कि पिछले कई वर्ष से गरियाबंद के मुख्यमार्गो में सड़क दुर्घटना की संख्या काफी बढ़ी है,इसमें अधिकांश मामला सड़क में बैठे मवेशी के चलते ही हुआ है,जिसमे कई बार लोगो को गम्भीर चोट लगी तो कई बार लोग अपनी जान भी गवाए है,लेकिन मवेशियों का सड़क में बैठना बन्द नही नही हुआ है,ऐसा ही गरियाबंद जिला मुख्यालय के पैरी कालोनी जनपद कार्यालय के समीप और रावण भाटा के पास

देखने को मिला ये मार्ग रायपुर से देवभोग होते हुए ओड़िसा राज्य को जोड़ता है।ज्ञात हो कि इस मुख्यमार्ग में चौबीसी घण्टे घुमंतू मवेशी कलेक्ट्रेट कार्यालय से लेकर मजरकट्टा मार्ग तक मवेशियी को जमावड़ा लगा रहता है, जिसके चलते मार्ग में चलने वाले बड़े छोटे वाहन के साथ मोटरसाइकिल से आने जाने वालों को काफी परेशानी होती है,और हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वही नगरपालिका अध्यक्ष रिखी यादव से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि इन घुमंतु मवेशियों के विषय में जिला प्रशासन से चर्चा किया गया था,उनके द्वारा नगरपालिका कर्मचारियों से इसकी व्यवस्था बनाने बोला गया।लेकिन हमारे पास कर्मचारी की कमी है जिसके चलते इन मवेशियों को शाम छै बजे से आठ बजे तक ही सड़क से हटाया जा सकता है,वो भी रोज नहीं किया जा सकता।

नौकरी लगवाने के नाम पर 17 लाख 15 हजार का धोखाधडी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। 22 जून 2025 को आवेदक तामेश्वर साहू निवासी बहेरापाल पुराना बस्ती थाना फिंगेश्वर एवं अन्य के द्वारा थाना आकर लिखित आवेदन दिया गया कि आरोपी मुकेश कुमार धीवर के द्वारा आवेदकों से नौकरी लगवाने के नाम पर वर्ष 2018 से दिसम्बर 2019 तक कुल 17 लाख 15 हजार रूपये का धोखाधडी करने का आवेदन पेश करने पर आवेदन जाँच उपरांत प्रथम दृष्टिया अपराध का घटित पाये जाने से थाना राजिम में अपराध क्रमांक 157/2025 धारा 420,294,506 भादवि0 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के गंभीर को देखते हुए गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया गया।

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला-दुर्ग !!
//ईश्तहार//

रा.प्र.क./. 202503104700045/ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विषयान्तर्गत लेख है आवेदक चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय तथा सम्बद्ध चिकित्सालय तथा सम्बद्ध चिकित्सा कचान्दुर के समीप शासकीय जमीन के आबंटन के संबंध में दिनांक 01 अगस्त 2024 को आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के अनुरूप दिनांक 02.08.2024 को तहसीलदार एवं पटवारी द्वारा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के समीप स्थित भूमि की वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया था। संभागायुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग एवं अध्यक्ष, प्रबंधकारिणी समिति स्वशासी समिति, चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग की अध्यक्षता में दिनांक 23.11.2024 को आहूत बैठक में अतिरिक्त भूमि आबंटन के संबंध में प्राप्त निर्देश तथा दिनांक 17.12.2024 को संभागायुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग द्वारा अपने निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देश के अनुक्रम में महाविद्यालय से लगे हुए / समीप स्थित शासकीय भूमि को चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग को आबंटित किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित है, जिसका औचित्य सह विवरण निम्नानुसार है।

उक्त भू-खण्ड का उपयोग आबंटन उपरान्त चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में पदस्थ अधिकारी /कर्मचारी एवं अध्यनरत छात्रों को आवासीय एवं अन्य सुविधाएँ प्रदाय करने एवं भविष्य में संस्था के उन्नयन कार्य हेतु उपयोग में लाया जायेगा।

ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हेक्टेयर	रिमार्क
कचान्दुर प.ह.नं. 12	1003	4.630	उक्त भू-खण्ड का उपयोग आबंटन उपरान्त चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में पदस्थ अधिकारी /कर्मचारी एवं अध्यनरत छात्रों को आवासीय एवं अन्य सुविधाएँ प्रदाय करने एवं भविष्य में संस्था के उन्नयन कार्य हेतु उपयोग में लाया जायेगा।
	1062	3.400	
	1065	7.780	

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 26/06/2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेष कर सकते हैं। समयावधि पष्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.06.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक- 20/06/2025
सुनवाई दिनांक-26/06/2025

मुहर

अति. तहसीलदार
दुर्ग-01

संक्षिप्त-खबर

खपरी निवासी दीपक सतनामी ने डॉक्टर हेमंत साहू पर गलत इलाज के आरोप में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सहित राज्यपाल से शिकायत की

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। अहिवारा तहसील के ग्राम खपरी, गिरहोला निवासी दीपक सतनामी पिता स्व. पवन पात्रये तबीयत खराब होने पर हेमंत साहू से इलाज करने के लिए आए इलाज के बाद दीपक सतनामी को और तबीयत खराब होने लगा जिसके बाद दीपक ने अन्य जगहों में इलाज के बाद ठीक हुए उसके पास दीपक ने संचालक छत्तीसगढ़ राज्य स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नया रायपुर से लेकर प्रधानमंत्री बिलासपुर हाई कोर्ट राजपाल महोदय तक को इसकी शिकायत की है दीपक का कहना है कि मैं सतनामी पिता स्व: पवन पात्रे. मै ग्राम खपरी गिरहोला तहसील धमधा, थाना नंदिनी नगर जिला दुर्ग में निवास करता हूं। दिनांक 25/04/2025 को मैं डाक्टर हेमंत साहू जो कि जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिविल सर्जन के पद पर पदस्थ हैं उनके के पास इलाज हेतु गया था। उनके उपचार के पश्चात मेरी तबियत और खराब हो गई जिस कारण मुझे अन्यत्र इलाज करवाना पड़ा जिस कारण मुझे शारीरिक आर्थिक तथा मानसिक पीड़ा हुई।उनका का है कि शासकीय पद पर पदस्थ चिकित्सक प्राइवेटवनिजी चिकित्सा नहीं कर सकते। आपके सब से एवं शासन प्रशासन से मेरा करबद्ध निवेदन है कि उच्च बातों में जानकारियां प्राप्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

भाजपा उत्तर पाटन मंडल का विस्तार, झीट के पूर्व सरपंच धर्मेंद्र कौशिक बने महामंत्री, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

पाटन। उत्तर पाटन अमलेश्वर भाजपा मंडल का विस्तार किया गया है। ग्राम पंचायत झीट के पूर्व सरपंच धर्मेंद्र कौशिक को उत्तर पाटन अमलेश्वर मंडल का महामंत्री बनाए गए है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में हर्ष है।

'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत मोहबंधा में आयोजित हुआ जनसमस्या निवारण शिविर

120 से अधिक ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का मिला प्रत्यक्ष लाभ

मुंगेली(समय दर्शन) जनजातीय समुदाय के समग्र और सशक्त विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत आज जिले के सुदूर ग्राम मोहबंधा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में ग्राम मोहबंधा सहित कंचनपुर, कोसाबाड़ी, बघनीभंवर और परसवारा से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित हुए। इस दौरान पेयजल, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधार, राशन, पेंशन, वनाधिकार पट्टा, शौचालय, आवास सहित 25 से अधिक शासकीय योजनाओं की जानकारी अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को दी गई। उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि सरकारी सुविधाएं सीधे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। शिविर में 120 से अधिक ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया। शिविर में राजस्व, पंचायत, खाद्य, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदिवासी विकास सहित सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने न केवल समस्याएं सुनीं बल्कि मौके पर ही समाधान भी सुनिश्चित किया।

राष्ट्रीय सब जूनियर सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता चंडीगढ़ में शामिल होगी जिले की मुस्कान

महासमुन्द (समय दर्शन)। राष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता चंडीगढ़ में महासमुंद जिले की बेटी मुस्कान का चयन होने से खेल जगत मे खुशी का माहौल है ।

भारतीय सॉफ्ट टेनिस संघ द्वारा राष्ट्रीय सब जूनियर बालक/बालिका सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24 जून से 02 जुलाई 2025 तक चंडीगढ़ में आयोजित किया जाना है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम शामिल होगी। महासमुंद जिले की मुस्कान निषाद पिता पवन निषाद का चयन छत्तीसगढ़ टीम में हुआ है। मुस्कान सेजेस हिंदी मीडियम स्कूल महासमुंद की कक्षा 10 वीं की छात्रा है। जो वन विद्यालय टेनिस कोर्ट में प्रशिक्षक अंजनी साहू व्यायाम शिक्षक के मार्गदर्शन नियमित रूप से सॉफ्ट टेनिस खेल का अभ्यास करती हैं।

खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा टेनिस एवं सॉफ्ट टेनिस खेल को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों की उपलब्धता एवं ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें खिलाड़ियों के खेल कौशल में सुधार, खेल की बारीकियां, प्रतियोगिता की तैयारी कराया गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मुस्कान के चयन होने पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अंजलि बरमाल, हिना ढालेन, प्रमोद ठाकुर, प्राचार्य हेमेंद्र आचार्य, सी एल चंद्राकर, एमडी वर्मा, हेमंत डडसेना, संध्या चंद्राकर, मुरलीधर पटेल, त्रिवेणी साहू, सुलक्षणा तिवारी, भोजेश्वरी ठाकुर, घनश्याम यदु, सुधा, प्रियंका, तृप्ति, गरिमा, नरेंद्र, हिना, जगदीश साहू, लेखराम साहू, डॉ दुर्गा डडसेना, देवकुमार, भगोली साहू, बालकिशन, जगन्नाथ, इंदु, भारती, कमलेश, मनोज, चारु साहू, कुलेश्वर साहू, अभय चंद्राकर, अमन साहू, गीतांश साहू, केशव साहू, द्रोण साहू, ओमेशवरी विश्वकर्मा, जिज्ञासा साहू, गौतम साहू, हरिशंकर साहू, अविरा ध्रुव ने शुभकामनाएं।

मलेशिया के लिए क्वालीफाई करने पर दिव्या को कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने दी बधाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। मालदीप में स्वर्ण पदक जीतने एवं एशियन चैंपियनशिप मलेशिया के लिए क्वालीफाई करने पर दिव्या को कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने दी बधाई।

भारतीय टीम ने एशियन चैंपियनशिप मलेशिया के लिए किया क्वालिफाई- महासमुंद के होनहार बास्केटबॉल खिलाड़ी दिव्ये रंगारी ने अंडर 16 एशियन चैंपियनशिप क्वालीफायर दिनांक 12 से 15 जून तक आयोजित किया गया था ,जिसमें भारतीय टीम ने श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीप से लगातार मैच जीतकर फ़ाइनल में प्रवेश किया। फ़ाइनल में भारत ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता एवं स्नद्धक्कअंडर 16 वूमेन एशियन चैंपियनशिप 2025 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जो दिनांक 14 से 20 सितम्बर 2025 तक मलेशिया में आयोजित किया जाएगा। भारतीय बास्केटबॉल बालिका टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी शामिल होकर स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने दिव्या को मालदीप में स्वर्ण पदक जीतने एवं एशियन चैंपियनशिप मलेशिया के लिए भारतीय टीम के क्वालिफाई करने पर बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। दिव्या ने 48 वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप अगस्त 2023 पांडिचेरी में छत्तीसगढ़ की बालिका टीम से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही हैं जिसमें दिव्या ने अच्छा प्रदर्शन किया था। महासमुंद जिले में बास्केटबॉल खेल का अभ्यास प्रतिदिन स्थानीय मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया जाता हैं जिसमें आसपास क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्र के बच्चे शामिल होते हैं। जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भागीदारी करने के साथ ही पदक जीतने में सफल रहे हैं। भारतीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से एक मात्र बालिका खिलाड़ी महासमुंद जिले से दिव्या रंगारी के स्वर्ण पदक जीतने एवं एशियन चैंपियनशिप दिनांक 14 से 20 सितम्बर 2025 में भारतीय टीम के क्वालिफाई होने पर कलेक्टर महासमुंद विनय कुमार लंगेह, सीईओ एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि साहू व जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे व जिला अधिकारियों सहित नुरेन चंद्राकर अध्यक्ष जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, गौरव चंद्राकर चेयरमैन जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, शुभम तिवारी सचिव जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, मनीष श्रीवास्तव, संतोष कुमार सोनी, किरण महाडीक, पिता विनोद रंगारी, माता सपना रंगारी, सुभाष मंडल, विवेक मंडल, अभिषेक अंबिलकर, कुलेश्वर चंद्राकर, योजना रंगारी, तारणी साहू, सौम्या, श्रेया घोष, राइमा दास ने शुभकामनाएं दीं।

स्कूलों की स्थिति सुधारें, योजनाओं में लाएं प्रगति, लापरवाही पर होगी कार्रवाई - कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक सम्पन्न

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने शिक्षा, राजस्व, कृषि, महिला एवं बाल विकास, खेल, स्वास्थ्य, और विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की। कलेक्टर ने योजनाओं की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्य और संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के शासकीय स्कूलों की स्वच्छता, व्यवस्था और पठन-पाठन वातावरण पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जिले के कई स्कूलों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई है, जिसे तत्काल दुरुस्त किया जाए। उन्होंने सभी एसडीएम और बीईओ को निर्देश दिए कि पुस्तक वितरण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें और शत-प्रतिशत वितरण कार्य शीघ्र पूरा करें, अन्यथा जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय है।

फ्लैगशिप योजनाओं और रैंकिंग में सुधार लाने के दिए निर्देश- बैठक में कलेक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं की स्थिति और विभागीय रैंकिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि हर विभाग सुधारात्मक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जिले की स्थिति राज्य स्तर पर बेहतर हो, इसके लिए लगातार मेहनत करनी होगी। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए खाता विभाजन, व्यपवर्तन और सीमांकन प्रकरणों और जरहागांव, लालपुर और मुंगेली तहसीलदारों को जाति प्रमाण पत्र के प्रकरणों में विशेष प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खाद-बीज की समितिवार स्थिति की जानकारी ली और इसके लिए एमआईएस प्रणाली लागू करने को कहा। उन्होंने संग्रहण केंद्रो धान उठाव सप्ताह भर में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति दावा भुगतान में विलंब पर नाराजगी जताते हुए बीमा अधिकारी को शत-प्रतिशत बीमा क्लेम का भुगतान करने और किसानों को जागरूक एवं सेंसिटाइज करने के निर्देश दिए।

किसानों को भुगतान में न हो बाधा, बैंक समन्वय में सुधार लाने के निर्देश- कलेक्टर ने कहा कि किसानों को बैंक में भुगतान में कोई परेशानी न हो। उन्होंने सीसीबी नोडल अधिकारियों को भुगतान संबंधी समस्याओं का समाधान करने हेतु ठोस उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा में क्लस्टर लेवल पर सुपरवाइजरों को सक्रिय कर बालिकाओं के बैंक खाते खुलवाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में धीमी प्रगति पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी और सीडीपीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेडी टू ईट की आपूर्ति और आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर सतर्कता बरते और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपने क्षेत्र के स्कूल, आंगनबाड़ी, छात्रावास और स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण नियमित रूप से करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

पीवीटीजी समुदायों के समग्र विकास के लिए प्राथमिकता से कार्य करें- कलेक्टर ने कहा कि पीवीटीजी समुदायों तक योजनाओं का लाभ समय पर और प्रभावी रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पीवीटीजी समुदाय में स्किल गैप निकालकर उनके कौशल उन्नयन के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। कलेक्टर ने एटीआर (अचानकमार टाइगर रिज़र्व) क्षेत्र की समीक्षा करते हुए कहा कि विस्थापन की प्रक्रिया मानवीय दृष्टिकोण से की जाए और कोई भी प्रभावित परिवार परेशान न हो। उन्होंने अधिकारियों को एटीआर क्षेत्र में रहवासियों की समस्याएं सुनने और संवेदनशीलता के साथ समाधान करने के निर्देश दिए।

फुटबॉल स्टेडियम के लिए भूमि आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश- कलेक्टर ने जिले में फुटबॉल स्टेडियम के लिए खेल अधिकारी को आवश्यक भूमि आबंटन की प्रक्रिया तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) हेतु भूमि आवंटन और किसान पंजीयन की प्रक्रिया की भी समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी फील्ड में जाकर योजनाओं का मूल्यांकन करें और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। लापरवाही, उदासीनता और रिपोर्टिंग में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है, और उसी भावना से सभी कार्य किए जाने चाहिए।

भाजपा मण्डल पिरदा के ग्राम लिमदरहा मे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा

बसना (समय दर्शन)। पिरदा मंडल के अंतर्गत ग्राम लिमदरहा में सोमवार दिनांक 23 जून 2025 को भारतीय जनता पार्टी जनसंघ के संस्थापक महान राष्ट्र भक्त व विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्यक्ष महिला मोर्चा महासमुंद श्रीमती सुशील कांति पटेल उपस्थित रहीं । उन्होंने सर्वप्रथम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी अमर रहें के नारे लगाते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्य वक्ता श्रीमती सुशील कांति पटेल ने अपने संबोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के विचार , उनके सपनों को बताते हुए कहा कि भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी अब मुखर्जी जी के सारे सपनों को पूरा कर रहे हैं।

देश में जो उनका एक तिरंगा ,एक विधान ,एक निशान, एक संविधान वाला प्रयत्न था वो आज धीरे धीरे पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि 23 जून उनकी पुण्य तिथि है जिसे हम सब भाजपाई जन बलिदान दिवस के रूप में मनाते है । उन्होंने जन संघ का जो बीज बोया था ,वह आज विशाल वट वृक्ष की भांति फैलकर पूरे देश में भाजपा के रूप में अपना परचम लहराते हुए शासन कर रही है।

देश में आज भाजपा की एक मजबूत स्थिति है, उन्होंने कहा कि,डॉ. मुखर्जी जी के बलिदान को हम कभी नहीं भूल सकते।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य श्रीमती विमला बेहेरा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवनी पर प्रकाश डालकर एक राष्ट्र, एक प्रधान, एक विधान, एक निशान के नारा को संकल्प बताते हुए बलिदान दिवस के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल बलिदान दिवस ही नहीं बल्कि एक दूसरे के विचारधारा से जुड़ने का देश के प्रति समर्पण की भावना जागृत कर, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की सीख लेने का दिवस है।

इस अवसर पर त्रिलोचन नायक पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के विचार को आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 ,35 को हटाकर कश्मीर में आज तिरंगा फहराया है।

मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया एवं महामंत्री सुभाष बंजारा द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वक्ता के रूप में श्रीमती सुशील कांति पटेल, श्रीमती सीमा लोकेश नायक सभापति महासमुंद , जनपद सदस्य श्रीमती विमला बेहेरा, मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान , महामंत्री मनीराम निषाद, महामंत्री सुभाष बंजारा, परशुराम गढ़तिया जिला कार्य समिति सदस्य ,त्रिलोचन नायक पूर्व जिला पंचायत सदस्य,नीरू प्रधान प्रतिनिधि जनपद सदस्य,शिव अत्री प्रतिनिधि जनपद सदस्य,कमला हरीश भोई सरपंच , इंदल साव उपाध्यक्ष, तोष कुमार पटेल उपाध्यक्ष, खिरोद प्रधान उपाध्यक्ष, मकरध्वज भोई मंत्री,ताराचंद प्रधान प्रवक्ता, दुल सिंह यादव,रूपानंद नायक सह संयोजक, धनीराम नायक बूथ अध्यक्ष,दिनेश नायक ग्राम प्रमुख ,दिनेश कश्यप पंच,शिव कुमार नायक, डमरूधर नायक ,छबिलाल पटेल, रिखीराम साहू,सोनकुवर ,सावित्री,जंबो बाई,रमला चौधरी,सुभाषिनी ,रतनी ,राधिका ,यशोदा,श्रीमत ,सोनकुवर ,टीके लाल आदि भाजपा कार्यकर्तागण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सभी की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पंचायत भवन परिसर में एक पौधा लगाया गया ।

ब्रह्माकुमारीज की प्रथम मुख्य प्रशासिका की 60 वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी गई

■ मातेश्वरी जी का जीवन हम सबके लिए आदर्श और प्रेरणादायी था- ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी

निर्मल दृष्टि से विश्व की कालिमा हरने वाली मातेश्वरी जी
मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी

बसना (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी ओम राधे की 60 वीं पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। बसना सेन्टर में एक सादे समारोह में ब्रह्माकुमारी ओम राधे के चित्र पर माल्यार्पण कर बसना सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। जमुना दीदी सहित बड़ी संख्या बी के भाई बहने उपस्थित थे।

बसना संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने बतलाया कि ब्रह्माकुमारी ओम राधे को सभी ब्रह्मावत्स मातेश्वरी या मम्मा कहकर बुलाते थे। उन्होंने हमारे जीवन को ऊंचा उठाने के लिए श्रेष्ठ धारणाएं बतलाईं। उनके जीवन में सच्चाई और सफाई का विशेष गुण था। उनका कहना था कि जीवन की हर घड़ी को अन्तिम घड़ी समझकर चलो। इससे अपने कर्मों पर अटेन्शन बना रहेगा।

उन्होंने हम सभी को ईश्वरीय मर्यादाएं और नियम बतलाए। आज भी उनकी सूक्ष्म प्रेरणा हम सभी को मिलती रहती है। उनके सामने कैसी भी परिस्थिति आई लेकिन वह कभी विचलित नहीं हुईं। उन्होंने कठिन योग-साधना से स्वयं को इतना शक्तिशाली बना लिया था कि कैसा भी क्रोधी व्यक्ति उनके सामने आता था तो वह उनके आभामण्डल के प्रभाव से सम्मुख आकर शांत हो जाता था।

उल्लेखनीय है कि मातेश्वरी जी का लौकिक जन्म वर्ष 1919 में अमृतसर में हुआ था। उनके बचपन का नाम ओम राधे था। जब वह ओम की ध्वनि का उच्चारण करती थीं तो पूरे वातावरण में गहन शांति छा जाती थी। इसलिए वह ओम राधे के नाम से लोकप्रिय हुईं। वह बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और प्रतिभावान थीं। ब्रह्मा बाबा ने कोई भी बात आपको कभी दोबारा नहीं समझायी। आप एक बार जो बात सुन लेती थीं उसी समय उसे अपने कर्म में शामिल कर लेती थीं। 24 जून 1965 को आपने अपने नश्वर देह का त्याग करके संपूर्णता को प्राप्त किया था।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26